वर्ष:- 05
अंक:- 337
मुरादाबाद
(Thursday)
02 April 2026
पृष्ठ:-8
मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

धेमाजी में BJP की रैली: PM बोले- कांग्रेस के राजकुमार हार का शतक लगाएंगे;चाय के साथ चिप भी बनेगी असम की पहचान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट कर ओडिशा दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि राज्य संस्कृति व आध्यात्मिक महानता के शाश्वत प्रतीक के रूप में गौरवान्वित है। इसके साथ ही राज्य के मुख्यमंत्री ने भी राज्य के लोगों को बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को ओडिशा दिवस के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दी।इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य संस्कृति व आध्यात्मिक महानता के शाश्वत प्रतीक के रूप में गौरवान्वित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के डिब्रूगढ़ में एक चाय बागान का दौरा किया। यहां उन्होंने महिला मजदूरों से बातचीत की, उनके साथ चाय की पत्तियां

PM मोदी का चाय वाला कनेक्शन: असम के बागान में पत्तियां तोड़ीं, महिला मजदूरों के साथ ली सेल्फी

तोड़ीं और उनकी समस्याएं जानीं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को असम के डिब्रूगढ़ में चाय बागान के मजदूरों के साथ एक यादगार सुबह बिताई। मनोहरि टी एस्टेट पहुंचे पीएम मोदी ने वहां काम करने वाली महिला मजदूरों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को करीब से जाना। उन्होंने न केवल उनके साथ चाय की पत्तियां तोड़ीं, बल्कि उनके पारंपरिक झुमुर नृत्य का भी आनंद लिया। पीएम ने चाय को %असम की आत्मा% बताते हुए यहां के परिवारों की मेहनत की सराहना की। चुनाव प्रचार के बीच चाय बागान समुदाय के साथ उनका यह जुड़ाव काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए विकास कार्यों को गिनाया और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने भाजपा-एनडीए की जीत का भरोसा जताया और असम को बाढ़ मुक्त, तकनीकी हब और विकसित राज्य बनाने का वादा किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार यानी आज असम के दौरे पर हैं। उन्होंने धेमाजी जिले के गोगामुख में सुबह 11 बजे अपनी पहली चुनावी जनसभा को संबोधित किया। यहां उन्होंने भाजपा उम्मीदवार रनोज पेगू और नबा कुमार डोले के पक्ष में जनता से वोट मांगे। अब प्रधानमंत्री विश्वनाथ जिले के लिए रवाना होंगे, जहां दोपहर 1 बजे उनकी दूसरी बड़ी जनसभा होनी है। प्रधानमंत्री बेहाली में भाजपा उम्मीदवार पल्लव लोचन दास के समर्थन में प्रचार करेंगे। इन कार्यक्रमों में भाजपा के कई बड़े नेता और राज्य सरकार के मंत्री भी मौजूद हैं। रैलियों को देखते हुए सुरक्षा के बहुत कड़े इंतजाम किए गए हैं। अपनी चुनावी रैली से पहले पीएम डिब्रूगढ़ पहुंचे और चाय के बागान में काम करने वाली महिलाओं से बातचीत की। इसका अनुभव साझा करते हुए पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, %चाय असम की आत्मा है! यहां की चाय पूरी दुनिया में मशहूर है। आज सुबह डिब्रूगढ़ में, मैं एक चाय बागान में गई और वहां काम करने वाली महिलाओं से बातचीत की। यह एक बेहद यादगार अनुभव था। इसके बाद पीएम अपनी पहली रैली को संबोधित करने के पहुंचे। यहां उन्होंने कहा, असम के चुनाव की घोषणा के बाद ये मेरी पहली जनसभा है। लोगों की यह भारी भीड़ तीसरी बार जीत का पक्का सबूत है। प्रधानमंत्री ने बताया कि जनता के आशीर्वाद से उन्होंने प्रधानमंत्री बनने की हैट्रिक पूरी की है। अब असम में भी भाजपा-एनडीए की जीत की हैट्रिक लगेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह चुनाव विकसित असम और विकसित भारत बनाने के लिए है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी तीसरी हार तय है। कांग्रेस के %राजकुमार% हार का शतक लगाएंगे। उन्होंने सर्वानंद सोनोवाल और हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में हुए 10 साल के विकास कार्यों की भी तारीफ की। विकास कार्यों का किया जिक्र- विकास कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि अब तक 22 लाख परिवारों को पक्के घर मिले हैं। भाजपा के संकल्प पत्र के अनुसार, जिन परिवारों को अब तक घर नहीं मिले, उन्हें भी पक्के मकान दिए जाएंगे। आने वाले समय में 15 लाख और परिवारों को घर देने की गारंटी है। गरीब बच्चों को बालवाड़ी से लेकर पोस्ट ग्रेजुएशन (स्नातकोत्तर) तक मुफ्त शिक्षा मिलेगी। महिलाओं के लिए उन्होंने कहा कि लखपति दीदी अभियान से असम की तीन लाख बहनें लखपति बाईदेव बन चुकी हैं। एनडीए सरकार अब 40 लाख बहनों को लखपति बाईदेव बनाने का प्रयास करेगी। इसके साथ ही ओरुनोदोई योजना का विस्तार होगा और इसमें अधिक लाभ जोड़े जाएंगे।साझा किया विकास के लिए अपना रोडमैप- अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के विकास के लिए अपना रोडमैप साझा किया। उन्होंने कहा कि असम को बाढ़ से बचाने के लिए सरकार ने 18,000 करोड़ रुपये से अधिक का बाढ़ मुक्त असम मिशन शुरू किया है। इसके तहत आधुनिक तटबंध बनाने पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले असम में बम और हिंसा का माहौल था, लेकिन भाजपा सरकार के आने के बाद हजारों युवाओं ने हथियार छोड़कर मुख्यधारा को अपना लिया है। किसानों पर क्या बोले पीएम?- किसानों के फायदे का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि पीएम फसल बीमा योजना से असम के करीब 11 लाख किसानों को 730 करोड़ रुपये से अधिक का क्लेम मिल चुका है। प्रधानमंत्री ने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि अब असम की पहचान सिर्फ चाय से नहीं, बल्कि चिप (सेमीकंडक्टर) से भी होगी। असम में सेमीकंडक्टर प्लांट लगने से यह आधुनिक तकनीक का बड़ा केंद्र बनेगा। भविष्य में फोन, गाड़ियां, टीवी और फ्रिज जैसे सामान असम में बनी चिप से ही चलेंगे। कांग्रेस पर साधा निशाना- कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता के लिए समाज को बांटा और ब्रह्मपुत्र के दो किनारों को कभी जुड़ने नहीं दिया। कांग्रेस ने 60-65 साल में ब्रह्मपुत्र नदी पर सिर्फ 3 पुल बनाए थे। इसके विपरीत, डबल इंजन सरकार ने पिछले 11 वर्षों में ही 5 बड़े पुलों का काम पूरा किया। बोगीबील और भूपेन हजारिका जैसे पुलों ने असम के लोगों का जीवन बदल दिया है। उन्होंने भरोसा दिया कि भाजपा सरकार बनने पर असम का विकास और तेजी से होगा और यह मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि इस पार्टी के लिए हमेशा सत्ता की राजनीति और अपना परिवार ही सबसे ऊपर रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में एक परिवार है और एक परिवार यहां असम में भी है। कांग्रेस ने दशकों तक शासन किया, लेकिन लोगों के स्वास्थ्य की चिंता नहीं की। पिछले 6-7 दशकों में असम में सिर्फ 6 मेडिकल कॉलेज बने थे। इसके विपरीत, आज असम में 14 मेडिकल कॉलेज हैं और 10 नए कॉलेजों पर काम चल रहा है। रायगढ़ के किले में मिला अनोखा वॉचटॉवर, कभी शिवाजी महाराज के शासन का केंद्र था यह इमारत- 2014 से पहले के बिल का किया जिक्र- प्रधानमंत्री ने 2014 से पहले के एक विवादित बिल का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस केंद्र में सांप्रदायिक हिंसा बिल लाना चाहती थी। इस बिल का मकसद सिर्फ अपने वोट बैंक को खुश करना था। उस कानून में हिंसा होने पर बहुसंख्यक समाज को अपराधी और अल्पसंख्यकों को पीड़ित घोषित करने की तैयारी थी। भाजपा ने इस भेदभाव वाले बिल का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि अब 12 साल बाद कांग्रेस फिर से असम में वैसा ही कानून लाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेता चुनाव जीतने के लिए खुलेआम ऐसी बातें कह रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले मुस्लिम लीग और अब कांग्रेस देश को बांटने की कोशिश कर रही है। दी मोदी की गारंटी- उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस असम में विदेशियों को बसाना चाहती है। उनका मकसद यहां के मूल निवासियों को अल्पसंख्यक बनाना है। प्रधानमंत्री ने साफ किया कि भाजपा-एनडीए सरकार किसानों, आदिवासियों और जंगलों की जमीन पर घुसपैठियों का कब्जा नहीं होने देगी। उन्होंने भरोसा दिया कि अवैध कब्जे के खिलाफ सरकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि असम की शान और पहचान को सुरक्षित रखना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने इसे %मोदी की गारंटी% बताते हुए कहा कि असमिया पहचान पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

ईडी ने मोहम्मद इकबाल को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया, जब्त होंगी 1000 करोड़ रुपये की तीन चीनी मिल

प्रवर्तन निदेशालय ने मोहम्मद इकबाल को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया और उसकी तीन चीनी मिलों सहित लगभग 1000 करोड़ की संपत्ति जब्त की। आरोपी लंबे समय से जांच से बच रहा था। न्यायालय के आदेश पर संपत्ति जब्त कर कानून का कड़ा संदेश दिया गया।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मोहम्मद इकबाल को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया। सुनवाई कर रहे न्यायाधीश राहुल प्रकाश ने अपने आदेश में सख्त रुख अपनाते हुए इकबाल से जुड़ी तीन बड़ी चीनी मिलों को जब्त करने का आदेश दिया। इन मिलों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 1000 करोड़ बताई जा रही है।ईडी के अधिकारियों के अनुसार, मोहम्मद इकबाल लंबे समय से जांच एजेंसियों की पकड़ से बाहर था। लगातार कानूनी प्रक्रिया से बचने की कोशिश कर रहा था। ऐसे में FEOA के तहत इस कार्रवाई को अहम माना जा रहा है। मोहम्मद इकबाल यूपी का बड़ा खनन माफिया और एमएलसी रहा है। जिस पर लगातार ईडी की नजर है। 2024 में भी ईडी ने इकबाल की बनाई अवैध यूनिवर्सिटी को जब्त कर लिया था। इस यूनिवर्सिटी का जिम्मा उसके भाई और बेटों पर था। खनन माफिया पर मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध खनन जैसे कई गंभीर आरोप हैं।

चंडीगढ़ में ब्लास्ट: पंजाब भाजपा मुख्यालय के बाहर धमाका, दूर तक गूंजी आवाज;पूरे शहर में अलर्ट

चंडीगढ़ स्थित पंजाब भाजपा मुख्यालय के बाह ब्लास्ट हुआ है। धमाके की आवाज दूर तक सुनाई दी। इसके बाद वहां हड़कंप मच गया। मौके पर पुलिस टीम पहुंच गई है और जांच शुरू कर दी गई है। पंजाब व हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ में बम ब्लास्ट हुआ है। बुधवार दोपहर बाद सेक्टर-37 स्थित भाजपा दरफ्तर के बाहर धमाका होने से वहां अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि धमाके की आवाज दूर तक सुनाई दी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं और जांच शुरू कर दी गई है। इस घटना के बाद वहां दशहत का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी है। वहीं आसपास के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार शाम करीब पांच बजे सेक्टर-37 स्थित पंजाब भाजपा मुख्यालय के बाहर एक स्कूटी खड़ी थी, उसमें जोरदार धमाका हुआ है। धमाके में किसी कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। चंडीगढ़ की एसएसपी और आईजी पुष्पेंद्र कुमार मौके पर पहुंच गए हैं। यह स्कूटी किसकी थी अभी कोई सूचना नहीं है। भाजपा कार्यालय के भीतर कोई नुकसान नहीं है। वहीं फायर ब्रिगेड, डॉग स्क्वायड, बम स्क्वायड को भी मौके पर बुलाया गया है। फॉरेंसिक टीम भी मौके पर मौजूद है और नमूने जुटाए जा रहे हैं। इस घटना के बाद पूरे शहर में अलर्ट कर दिया गया है।

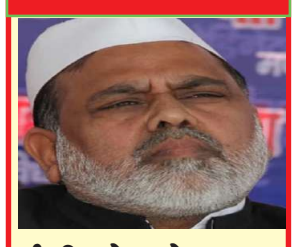

बंगाल में चुनाव प्रचार: ओवैसी-हुमायूं कबीर एक मंच पर, AIMIM चीफ बोले- महज वोटिंग मशीन बनकर रह गए हैं मुस्लिम

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मुर्शिदाबाद में हुमायूं कबीर के साथ चुनावी रैली की। उन्होंने कहा कि बंगाल में कमजोर वर्गों और मुसलमानों का शोषण रोकने के लिए वे एकजुट हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुसलमानों और कमजोर वर्गों का शोषण हो रहा है और उन्हें सिर्फ वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया जाता है।आईएमआईएम (ढ्ढरूढ्ढरू) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को मुर्शिदाबाद में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने हुमायूं कबीर के नेतृत्व वाली पार्टी एजेयूपी (AJUP) के उम्मीदवारों के समर्थन में वोट मांगे। ओवैसी ने कहा कि बंगाल में कमजोर वर्गों और मुसलमानों का शोषण रोकने के लिए उन्होंने कबीर के साथ हाथ मिलाया है।ओवैसी ने सत्ताधारी टीएमसी और अन्य दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि इन पार्टियों ने मुसलमानों का इस्तेमाल सिर्फ वोट के लिए किया, लेकिन उनके विकास के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि पिछले 50 वर्षों में इस समुदाय ने कांग्रेस, वाम मोर्चे और टीएमसी को वोट दिया, फिर भी उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ।रैली में ओवैसी ने कहा कि भारतीय राजनीति की सच्चाई यही है कि जिस समाज का अपना नेतृत्व होता है, वही तरक्की करता है। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि मुसलमान अब सिर्फ %वोटिंग मशीन% बनकर रह गए हैं। अब समय आ गया है कि मुस्लिम समुदाय अपने नेता खुद चुने। इससे उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी और राजनीतिक फैसलों में उनकी हिस्सेदारी बढ़ेगी।ओवैसी ने दावा किया कि यह नया गठबंधन ममता बनर्जी और उनकी पार्टी को बड़ा झटका देगा। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाया कि जीत मिलने पर उनकी आवाज मजबूती से उठाई जाएगी। पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में चुनाव होंगे। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल और दूसरे चरण का 29 अप्रैल को होगा। इन चुनावों के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

सीएम योगी ने 250 इलेक्ट्रिक व सीएनजी वाहनों को दिखाई हरी झंडी, बोले- बीते नौ साल में लखनऊ में जीवनस्तर बढ़ा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर लखनऊ नगर निगम के बेहतर कूड़ा प्रबंधन हेतु 250 इलेक्ट्रिक एवं सीएनजी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने लखनऊ में बीते नौ साल में हुए विकास कार्यों का वर्णन किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बीते नौ वर्षों में लखनऊ शहर के विकास को नई ऊंचाइयां मिली हैं। लखनऊ सिटी का दायरा बढ़ा और शहर को नया विस्तार मिला है। लखनऊ ने स्वच्छता रैंकिंग में अच्छा स्थान प्राप्त किया है।शहर में मेट्रो का संचालन हुआ है। इसके साथ ही सड़कों के चौड़ीकरण का मामला हो या फिर जलनिकासी का सबमें सुधार हुआ है। हम कह सकते हैं कि लखनऊ में लोगों का जीवनस्तर बढ़ा है। अयोध्या को सोलर सिटी के रूप में विकसित किया गया है अब लखनऊ में भी इसी तर्ज पर सोलर पैनल लगाकर यह कार्य तेजी से किया जा रहा है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 5 कालिदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने लखनऊ नगर निगम के बेहतर कूड़ा प्रबंधन हेतु 250 इलेक्ट्रिक एवं सीएनजी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

ममता बनर्जी को सता रहा नए अधिकारियों का डर, टीएमसी उम्मीदवारों से कहा- नामांकन भरते समय सतर्क रहें

एक रैली में टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग ने नए अधिकारियों की नियुक्ति टीएमसी उम्मीदवारों के नामांकन रद्द करने के लिए की है। उन्होंने अपनी पार्टी के उम्मीदवारों से अतिरिक्त सतर्कता बरतने की अपील की। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त नए अधिकारियों को उनकी पार्टी के उम्मीदवारों के नामांकन खारिज करने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने टीएमसी प्रत्याशियों से नामांकन दाखिल करते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की। गौरतलब है कि बंगाल में चुनाव एलान के बाद बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। बीरभूम जिले के नानूर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा, %सब कुछ बदल दिया गया है, यहां नया सेटअप है। खारिज करने के लिए लगाए गए हैं, इसलिए नामांकन भरते समय सतर्क रहें। उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी राजनीतिक फायदे के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।मुख्यमंत्री ने खासकर महिलाओं से भाजपा को वोट न देने की अपील करते हुए कहा, वे (भाजपा) महिला विरोधी हैं, इसलिए एसआईआर में गलती का हवाला देकर उनके नाम हटाए जा रहे हैं। इससे पहले बुरवान में एक अन्य रैली में ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा ग्रामीण इलाकों में लोगों से नकद पैसे देने के नाम पर उनके बैंक खाता नंबर मांग रही है। उन्होंने लोगों से ऐसी जानकारी साझा न करने की सलाह दी। राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। ,अपनी रैलियों में भाजपा पर जमकर निशाना साध रहीं ममता बनर्जी- ममता बनर्जी अपनी रैलियों में भाजपा पर जमकर निशाना साध रही हैं। खासकर एसआईआर को लेकर वे खासी हमलावर हैं।

संपादकीय Editorial

The Gardener of Turbans

The point raised by Technical Education Minister Rajesh Dharmani in the budget points is that the state should learn to reduce its expenditure. In reality, Himachal's schemes lack the rationale for holistic development. Here, requests change at the drop of a hat, and every constituency wants everything. There are many areas where politicians are thriving in the pomp and show of extravagance. Political labor has become a search for the gifts of power, and in this context, public behavior has become a platform for itself. The state's economy is being used to achieve records, while the gardener of turbans is being used. If we exclude the cost of turbans and garlands, we find solace in the simplicity of savings. Public platforms and fairs are now adorned with the names of politicians, and the attraction is the felicitation of those who are wealthy. In Himachal, civil society and non-political figures find no place, while the rationale behind every event has become political. If the annual celebrations of government schools weren't associated with politicians, the savings would be a different experience. Then come the foundation stone laying and inauguration ceremonies, where every laddu is being distributed to someone. In this very session, Shahpur MLA Kewal Singh Pathania uncovered the piles of scrap on roads, offices, and public spaces, and realized that there should be concern. If only this junk were removed, some scrap dealer would improve our condition. Even more important is the system and the contractor system. What kind of contracts are these, and what kind of contractors have the influence, that construction isn't complete yet bills are paid. Can anyone tell us where the remains of defunct solar lights have gone? Where are the pipes from defunct drinking water projects buried? Medicines languish in government stores, yet no one takes responsibility. The government sector needs to learn from the private sector's patience for savings. The state's buildings should be audited. If there is coordination between common pool buildings, common pool vehicles, and departmental objectives, savings can increase. Surprisingly, lakhs of rupees were spent on building gates for several departments under the Dharamshala Smart City project. Governments have forgotten to work consistently, while in this state, they have placed the burden of 'Mission Repeat' on the state. If we compare the expenditures of the previous governments in their fourth and fifth years, we will realize how much dust the treasury of unnecessary decisions has accumulated. Now, for some time, the word 'moratorium' should be used as a policy. Due to political rivalry or opposition, we create credit for ourselves and trouble for the opposition from empty pockets. If formalities, meetings, and political gimmicks had stopped, our policies would speak volumes. Governments have come and gone, but no one thought to create a permanent transfer policy. We have wasted budgets on purchasing public goods, otherwise who said we should make a few units of electricity free? Which woman demanded a bus fare discount for her? The public demands good governance. They know the accounting of every government penny. They understand how parties in power enrich their own clans. New contractors prosper through every MLA, and now, thanks to power, buildings are being built taller. Of course, every government has sought to curb wasteful spending, but given the longevity of their tenure, these measures have never been successful. Now, the tenures of those in power in Himachal Pradesh must be prolonged. If public behavior doesn't change, governments will continue to burden the public with debt while repaying election debt. Frugality is a discipline, and it must be adopted not only by governments.

A war that threatens to jeopardize the world will accelerate the shutdown of industries.

The West Asian crisis is deepening the global energy crisis, threatening to shut down industries. Trump's contradictory stance is hindering efforts to stop the ongoing conflict between the US, Israel, and Iran. The closure of the Strait of Hormuz has further exacerbated the situation. The West Asian crisis has deepened the global energy crisis, impacting industries. The UN Security Council has proven inactive in the US-Iran conflict. India should play an active role in Security Council reform. If the energy crisis continues due to the West Asian crisis, the shutdown of industries worldwide will accelerate, and people's suffering will increase significantly. US President Trump appears to be trying to stop the war between the US, Israel, and Iran that has been raging for almost a month, but he appears to be failing. This is due to his contradictory and unreliable approach. He is both threatening Iran and offering it a ceasefire. Citing talks with Iran, he first announced a five-day suspension of attacks on Iran's power and energy installations, then extended this period further. Meanwhile, Iran presented a 15-point ceasefire proposal, to which Iran responded with five conditions of its own. The 15-point proposal and five conditions make any meaningful dialogue between the two sides unlikely, given the lack of trust between them. The problem is that Trump is unreliable. Iran has realized that it can pressure the US by maintaining control over and blocking the Strait of Hormuz, as the energy crisis resulting from its closure has become global. According to the US, it is negotiating with Iran through several intermediaries. These intermediaries include Egypt, Turkey, and Pakistan. Pakistan, due to its geographical location, is useful to the US. Through it, the US is able to intervene in Iran. At one time, the US intervened militarily in Afghanistan with the help of Pakistan. It is believed that US President Trump's closeness with Pakistan was due to his strategy to target Iran. However, while Pakistan may consider itself unique among Muslim nations as the only nuclear-armed Islamic country, its international reputation is shaky and it is not at all trustworthy, making it in no position to mediate between the US and Iran. Its own Foreign Minister is saying that Pakistan is merely exchanging messages between the two countries. It would not be surprising if it were to try to achieve its own selfish ends with the US. It is adept at using itself for its own benefit and betraying the guise of friendship. That is why Indian Foreign Minister Jaishankar called it a broker country. This is an apt term. Trump is making various statements about Iran and is also indicating that he wants to stop this war. These signals are having an impact on the stock market, but it is difficult to say that the war is nearing its end, as attacks by Iran and Israel continue. The Strait of Hormuz also appears unlikely to reopen. Amid the uncertainty surrounding this war, the US President held talks with the Indian Prime Minister. It's difficult to say what transpired during these talks. Whatever the case, India wants the Strait of Hormuz to reopen soon to end the energy crisis. India could offer to mediate between the US and Iran, but it's likely prioritizing ensuring its ships continue to transit through Hormuz and normal relations with Iran. Whether or not meaningful talks occur between the US and Iran, stopping this war is essential, as the energy crisis caused by the crisis in West Asia is impacting the global economy. If the war doesn't ease in the next few days, the shutdown of industries will accelerate, exacerbating the suffering of people worldwide. Surprisingly, the role of the United Nations Security Council in the US-Israel-Iran war has been that of a helpless organization. The Security Council has become a passive and ineffective institution, unable to resolve any global crisis. The five countries on the Security Council are the United States, Britain, France, Russia, and China. China is not particularly harmed by this war. It is happy to see America in trouble. Russia, in a way, benefits because it has been granted permission to sell oil. America is consumed by its ego. Because Britain and France's international importance has diminished, they are unable to do anything. It is evident that whenever any Security Council member country becomes involved in a war, the institution fails further. It also failed in the Ukraine war because Russia attacked. All major countries realize that the Security Council is helpless due to America's actions in the Iran war, but they are not taking any action to reform the Security Council. If the Security Council continues to fail in this way in resolving global crises, its importance will be completely lost. The permanent members of the Security Council express the need for reform, but do not do anything concrete. In these circumstances, it It is essential for India to advocate for reforms to the Security Council that would change its working methods and prevent permanent members involved in wartime activities from using their veto power. As India's international standing is rising, it should increase its activism and accelerate its efforts to expand and reform the Security Council. India's activism should be such that major nations are forced to consider why India is not a member of this organization. It would be better if Russia, China, Britain, and France actively supported India's membership. This would be in their own interests.

Artificial Intelligence: OpenAI launched Sora with great fanfare, so why did it have to shut it down?

Sora was introduced as a major breakthrough in generative AI, capable of generating high-quality videos from simple text prompts. It represented the next frontier after text and image generation. However, despite its technical promise, the platform faced significant challenges that ultimately led to its discontinuation. OpenAI's decision to shut down its video-generation platform, Sora, has surprised many, but it was not entirely unexpected for those closely monitoring the AI ??ecosystem. This move reflects a profound shift in priorities across the industry—from experimental, compute-heavy applications toward more practical, economically viable AI systems. Sora was introduced as a major breakthrough in generative AI, capable of generating high-quality videos from simple text prompts. It represented the next frontier after text and image generation. However, despite its technical promise, the platform faced significant challenges that ultimately led to its discontinuation. The most significant issue was cost. Video generation is extremely resource-intensive. Unlike text or images, it requires continuously processing large amounts of data while maintaining visual consistency across frames. This demands immense computational power, making it one of the most expensive forms of AI inference.

Did Sora's economics fail? AI systems run on data centers powered by GPUs and specialized hardware. These resources are not unlimited. They are expensive to build, maintain, and scale. For a product like Sora, the cost of producing videos often exceeded the revenue it could generate. Simply put, its economics were not working. Furthermore, the AI ??industry is undergoing a shift from experimentation to profitability. In the early years of generative AI, companies focused on building diverse capabilities to demonstrate what was possible. However, as competition intensifies and investor expectations rise, pressure to deliver sustainable business models is increasing. This has led to a strategic reallocation of resources. Instead of investing heavily in high-cost, low-return applications like video generation, companies are focusing on areas with higher economic value. One such area is reasoning AI—systems designed to perform complex logical tasks, analyze data, and assist in decision-making. Reasoning models offer significantly higher returns on computational investment. They can be applied in a variety of industries, from finance and healthcare to software development and governance. These applications generate tangible value, making them more attractive to both companies and customers. Technical limitations of video AI—Another factor influencing this decision was the technical limitations of video AI. Despite technological advancements, these systems still struggle with realism and consistency. Problems like flickering, incorrect laws of physics, and visual distortions are common, especially in longer videos. These limitations reduce their reliability for professional use. There are also serious concerns about misuse. High-quality AI-generated videos can be used to create deepfakes, which can spread misinformation and lead to potential legal challenges. As regulatory scrutiny increases, companies must carefully consider the risks associated with such technologies. Legal uncertainties, particularly around copyright, add another layer of complexity. The ongoing debate about the use of training data can have a significant impact on AI companies. Investing heavily in domains with unresolved legal risks becomes a strategic liability. Furthermore, the global context cannot be ignored. Geopolitical tensions, energy constraints, and supply chain disruptions are affecting the availability and cost of computational resources. In such an environment, optimizing compute utilization becomes essential. Therefore, OpenAI's decision to phase out Sora is part of a broader trend. The industry is moving away from standalone, consumer-focused applications and toward integrated, enterprise-oriented solutions. The focus is now on building systems that can automate workflows, increase productivity, and deliver measurable impact. This shift also reflects a more mature understanding of the role of AI. The goal is no longer to create tools that can do everything, but rather to develop systems that excel at efficiently solving real-world problems. The future of AI lies in integration. Instead of separate tools for text, images, and video, companies are building integrated platforms that combine multiple capabilities. These platforms are designed to function as intelligent assistants, capable of reasoning, planning, and executing tasks. What does Sora's closure mean? Sora's closure highlights an important reality: only technical capabilities are sufficient. This alone is not enough. Sustainability, scalability, and economic viability are equally important. As the AI ??industry evolves, tough decisions like these will become more common. Ultimately, this marks a shift in the trajectory of AI development. The emphasis is shifting from creative experimentation to practical application. From generating content to solving problems. From spectacle to abstraction. This move by OpenAI may seem like a retreat, but in reality, it is a strategic step forward—one that aligns with the industry's long-term direction.

यूपी के रामपुर में दर्दनाक घटना: गैस सिलिंडर की लाइन में लगे दिव्यांग की मौत, अचानक बेहोश होकर गिरा; फिर न उठा

यूपी के रामपुर में गैस सिलिंडर की लाइन में लगे दिव्यांग किसान की मौत हो गई। करीब दो घंटे लाइन में खड़े रहने के बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर पड़े। एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रामपुर की गैस सिलिंडर की किल्लत के बीच आई है। ग्राम मनौना निवासी 55 वीरेंद्र कुमार मंगलवार दोपहर रास डांडिया पहुंचे थे। करीब दो के बाद अचानक उनकी तबीयत होकर गिर पड़े। एंबुलेंस से पहुंचाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत के परिवार में पत्नी शांति देवी, दो भानु ने आरोप लगाया कि दिव्यांगों व्यवस्था थी, न ही प्राथमिकता। के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस लिए भेज दिया है।क्षेत्र में गैस उपभोक्ताओं को लंबी कतारों में ने प्रशासन से व्यवस्था सुधारने और अलग सुविधा की मांग की है। बेटी सिलिंडर की चिंता- उधर, अप्रैल कई शुभ लगन मुहूर्त हैं। इस महीने होनी हैं। मगर इन खुशियों के मौकों

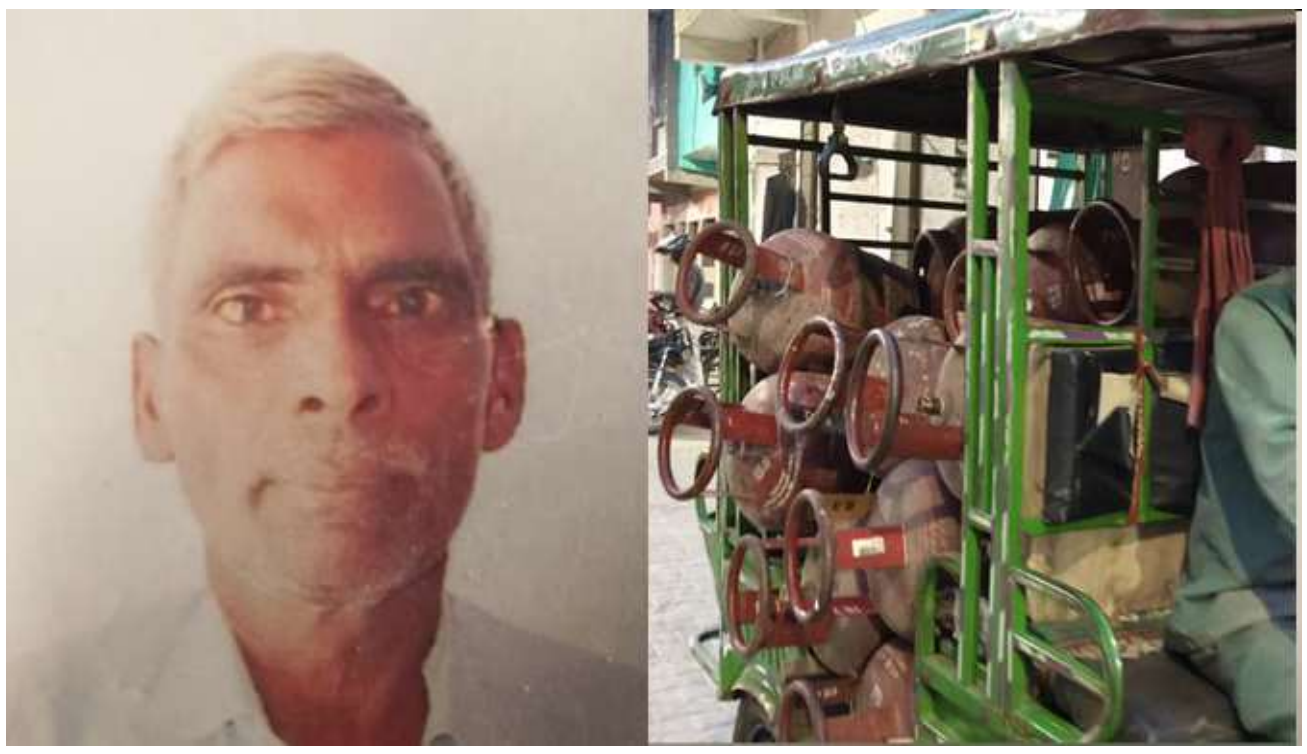

माथे पर परेशानी की लकीरें हैं। परिजनों को शादी के लिए सिलिंडर की चिंता सता रही है। शादी जैसे आयोजन में लोगों को पांच से 10 सिलिंडर की आवश्यकता होती है, लेकिन लोगों को एक-दो ही सिलिंडर मिल पा रहे हैं। लोग आस-पड़ोस और अपने रिश्तेदारों से गैस कनेक्शन की किताब व ऑनलाइन बुकिंग का नंबर लेकर गैस बुक कराने और अपने काम छोड़कर लाइन में लगने को मजबूर हैं। परिवारों ने लगभग सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं, लेकिन रसोई गैस सिलिंडर की कमी ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। बारातियों के भोजन की व्यवस्था को लेकर लोग परेशान हैं और दिन-रात सिलिंडर के इंतजाम में जुटे हुए हैं। शादी समारोह में भोजन बनाने वाले हलवाई भी अब सबसे पहले सिलिंडर की उपलब्धता के बारे में पूछताछ कर रहे हैं। कैटरिंग का ठेका लेने वाले लोग ठेका इस शर्त पर ले रहे हैं कि परिवार वालों को ही सिलिंडर का इंतजाम करना होगा(ऐसे में परिवारों को खुद ही सिलिंडर की व्यवस्था करनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गैस सिलिंडर की कमी के चलते शादी की तैयारियों पर असर पड़ रहा है। नौ अप्रैल को मेरी दो बहनों की शादी है, सारे इंतजाम हो गए हैं। बस सिलिंडर नहीं मिल रहे हैं। शादी से पहले सिलिंडर नहीं मिले तो बड़ी समस्या से जूझना पड़ेगा। -कासिम शेख मेरी बेटी की शादी चार अप्रैल को है। शादी में सिलिंडर का इंतजाम करना बहुत मुश्किल हो रहा है। सिलिंडर को लेकर परेशान हैं। -सईद मेरी बहन की शादी 15 अप्रैल को है। सबसे पहले मैं सिलिंडर के इंतजाम में लगा हुआ हूं, ताकि बरातियों के लिए भोजन बनाने में कोई बाधा न आए, लेकिन अभी तक सिलिंडर का इंतजाम नहीं हुआ है। -विक्की मेरी बेटी की शादी 21 अप्रैल को है, लेकिन सिलिंडर की चिंता बहुत है। सारे इंतजाम कर रहे हैं, लेकिन सिलिंडर का इंतजाम करना मुश्किल हो रहा है। सिलिंडर के इंतजाम में लगे हुए हैं। -लालाजी कोमल

व्हाट्सएप पर फोटो, क्यूआर कोड से पेमेंट, किराये के मकान में हाई प्रोफाइल रैकेट; ऐसे होता था सौदा

मुरादाबाद पुलिस ने बुद्धि विहार में कार्रवाई की है। पुलिस ने हरियाणा के दंपती समेत आठ गिरफ्तार किए हैं। दिल्ली की महिला और संभल के चार युवक भी दबोचे हैं। यहां किराये के मकान में हाईप्रोफाइल रैकेट चलता मिला है।मुरादाबाद के बुद्धि विहार स्थित एक किराये के मकान में हाईप्रोफाइल रैकेट चलता मिला है। पुलिस ने मौके से हरियाणा के दंपती, दिल्ली की एक महिला समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। रैकेट संचालित कर रहे हरियाणा के यमुना नगर निवासी रामवीर और उसकी पत्नी ने कबूला है कि वह ग्राहकों को व्हाट्सएप पर युवती और महिलाओं के फोटो भेजते थे। सौदा तय होने पर क्यूआर कोड के जरिए एडवांस में ही भुगतान ले लेते थे।एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि एक एनजीओ के जरिए पता चला कि मझोला के बुद्धि विहार में सेक्टर सात बी स्थित एक मकान में कुछ लोग मौजूद हैं। यहां हर रोज अलग अलग महिलाएं, युवती और युवक आते हैं। इनकी गतिविधियां संदिग्ध लग रही हैं। इसकी जानकारी मिलने पर सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता और मझोला थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने पुलिस टीम के साथ मकान की घेराबंदी कर ली। पुलिस टीम मकान के अंदर पहुंची तो वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। उन्होंने इधर उधर भागने की कोशिश की लेकिन एक कमरे से एक युवक और महिला को हिरासत में ले लिया जबकि दूसरे कमरे में एक युवक और एक महिला मौजूद थी। जबकि तीसरे कमरे में चार युवक बैठकर शराब और बीयर पी रहे थे।

पूछताछ करने पर पता चला कि एक महिला हरियाणा के यमुना नगर क्षेत्र की रहने वाली है जबकि दूसरी महिला दिल्ली निवासी है। पुलिस ने मौके से एक महिला के पति रामवीर चौधरी (38)को गिरफ्तार किया है। इन तीनों के अलावा मौके से संभल के चौधरी सराय निवासी अल्फेज (21), गौहर (20) और फैजल (22), पाकबड़ा के पुराने थाने के पीछे रहने वाले आतिफ (19)और सऊद (26) हैं। पुलिस ने मौके से आपत्ति जनक सामान, दवाइयां, शराब और बीयर की बोतल बरामद की हैं। पुलिस पूछताछ में रामवीर और उसकी पत्नी ने बताया कि उन्होंने करीब एक साल पहले इस मकान को सिद्धार्थ नाम के व्यक्ति से किराये पर लिया था। इसके बाद दिल्ली और अन्य शहरों से लड़कियों और महिलाओं को यहां बुलाते थे। इसके बाद ग्राहकों को इनके फोटो व्हाट्सएप पर भेजकर सौदा तय करते थे। इसके बाद ग्राहकों से मिलने वाली आधी रकम अपने पास रख लेते थे और आधी रकम महिलाओं और युवतियों को दे देते थे। मंगलवार की दोपहर पुलिस ने सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उन्हें कोर्ट में पेश किया जहां से आरोपी जेल भेज दिए गए हैं। पुलिस मकान मालिक की तलाश में जुटी है।

यूपी में निजी स्कूलों की मनमानी: अभिभावकों पर थोपी जा रही निजी प्रकाशकों की किताबें, प्रशासन का आदेश बेअसर

निजी स्कूलों के किताबों को लेकर मनमानी सामने आई है। मुरादाबाद प्रशासन के निर्देश के बावजूद कई स्कूल एनसीईआरटी लागू नहीं कर रहे हैं। कई स्कूल महंगी निजी प्रकाशकों की किताबें अनिवार्य कर अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक मनमानी सामने आई है। करने के निर्देश के बाद अभिभावकों पर महंगी ऑफ ऑल स्कूल के किताबें ही लागू कर दी गई हैं, लेकिन उनके साथ अभिभावकों की जेब पर सामने आया है। जहां प्रकाशकों की किताबें सेट अलग-अलग स्कूलों स्कूलों ने पहले से ही कुछ जाता है। इन दुकानों पर जाती है। इससे काफी

कक्षा	एनसीईआरटी (₹)	एनसीईआरटी नहीं (₹)
1	700	3500 – 5000
2	1000	3500 – 7500
3	1100	4000 – 4500
4	1150	5000 – 6000
5	1100	7000 – 7500
6	1250	7500 – 8000
7	1000	7500 – 8500
8	1000	7500 – 8000

की फीस के अलावा किताबें इस साल महंगी हो गई है। कई स्कूलों में एडमिशन कराने के लिए जानकारी ली। हर स्कूल में फीस, किताबों की कीमत अलग अलग है। कम पैसे खर्च होने वाले निजी स्कूल में एडमिशन को लेकर बात फाइनल हुई है। हरिओम सैनी, अभिभावक मैंने सोमवार को ही कोर्स खरीदा है। जो 4600 रुपये में मिला है। इसमें एनसीईआरटी की एक भी किताब नहीं है। साथ ही मुरादाबाद की एक ही दुकानों में यह किताबें उपलब्ध होगी, जिससे यह भी नहीं सोच सकते कि दूसरी दुकान पर जाकर डिस्काउंट करवा लेंगे। - शालू सैनी, अभिभावक एनसीईआरटी और निजी किताबों में 100 रुपये का भी अंतर होता तो शायद परेशानी नहीं होती, लेकिन जहां एनसीईआरटी का पूरा कोर्स आ जाएगा। वहां एक निजी किताब आ रही है। साथ ही 10 प्रतिशत फीस बढ़ाने के बाद 1200 रुपये क्वार्टर फीस अलग लगा दी है। - सौरभ अग्रवाल, अभिभावक सरकार ने अगर एनसीईआरटी की किताबों के सिलेबस को अप्रूव्ड किया है, तो वह किताबें बच्चों के लिए सही ही होंगी। फिर भी पता नहीं क्यों एनसीईआरटी की जगह निजी किताबों को आगे रखा जा रहा है। मेरी बेटी की 70 प्रतिशत किताबें निजी हैं। निजी किताबें 5 से 6 दुकानों पर मिलनी चाहिए, जिससे एक ही दुकान से किताबें खरीदने का दबाव न हो। - नेहा मिश्रा, अभिभावक

संक्षिप्त समाचार

नौगावां सादात में फर्नीचर कारोबारी की जान गई, बेटे की हालत गंभीर, तेज रफ्तार वाहन ने मारी टक्कर

अमरोहा के नौगावां सादात में फर्नीचर कारोबारी की बाइक को तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। इसमें उनकी जान चली गई और बेटा जख्मी हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नौगावां सादात क्षेत्र में मंगलवार देर रात सड़क हादसे में फर्नीचर कारोबारी यशवंत सिंह (55) की मौत हो गई, जबकि उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा भेड़ा भरतपुर अड्डे के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।घटना के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर लिया है। मृतक यशवंत सिंह मूलरूप से गांव गालिबबाड़ा के रहने वाले थे और वर्तमान में शहर के मोहल्ला इस्लाम नगर में रह रहे थे।अमरोहा-धनौरा मार्ग पर उनकी फर्नीचर की दुकान है। परिवार में पत्नी शशि देवी, बेटा हितेश और बेटी रिया हैं। परिजनों ने मंगलवार रात यशवंत सिंह अपने बेटे हितेश के साथ बाइक से गांव से अमरोहा घर लौट रहे थे। ,जैसे ही उनकी बाइक भेड़ा भरतपुर अड्डे के पास पहुंची, तभी पीछे से तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और काफी देर तक सड़क पर तड़पते रहे।मौके से गुजर रहे राहगीर ने डायल 112 को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस से दोनों को जिला अस्पताल भेजा। अस्पताल में चिकित्सकों ने यशवंत सिंह को मृत घोषित कर दिया, जबकि उनके बेटे हितेश का उपचार जारी है।सीओ अवधभान सिंह भदौरिया ने बताया कि मृतक के बेटे की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी मिली है, जिसके आधार पर आरोपी वाहन की पहचान कर उसे जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

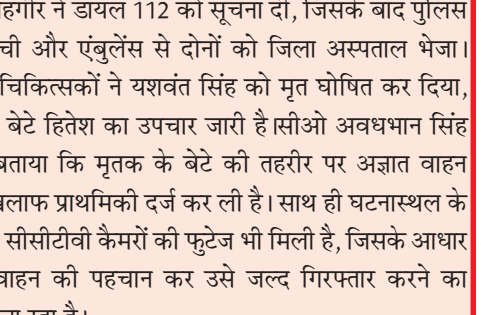

कैन-बोतल में पेट्रोल-डीजल देने वाले पेट्रोल पंप संचालक निशाने पर

मुरादाबाद- अमेरिका-इजरायल-ईरान के बीच जारी युद्ध के दौरान रसोई गैस, पेट्रोल डीजल की किल्लत न हो इसके लिए प्रशासन सक्रिय है। प्रशासन के निशाने पर फिलिंग स्टेशनों पर कैन व बोतल में पेट्रोल-डीजल देने वाले पंप संचालक हैं। इन पर सख्ती की जा रही है। पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता सुचारू बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी ने आयल कंपनियों के प्रतिनिधियों को भी पत्र लिखा है। वहीं जिलाधिकारी के निर्देश पर जिलापूर्ति अधिकारी व क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी आदि टीम के साथ शहर से लेकर देहात तक पेट्रोल व डीजल पंपों का निरीक्षण कर रहे हैं। इसमें कहीं भी कैन व बोतल में पेट्रोल-डीजल देने की निगरानी की जा रही है। जिलापूर्ति अधिकारी अजय प्रताप सिंह ने स्वयं पेट्रोल पंप पर पहुंचकर इसकी जांच की। उनके सामने ही कैन में डीजल लेने आए व्यक्ति को वापस लौटाया। फिलिंग सेंटर के कर्मचारियों को चेतावनी दी कि ऐसा कतई न करें। उन्होंने बताया कि अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध के चलते रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल का कृत्रिम संकट उत्पन्न करने वालों पर सख्ती की जाएगी। नियमित मानीटरिंग कर व्यवस्था सुचारू बनाने में लगे हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बरेली परिक्षेत्र में अपराध नियंत्रण को लेकर डीआईजी साहनी की सख्ती

हत्या, लूट, महिला सुरक्षा, साइबर क्राइम समेत सभी गंभीर मामलों पर हुई विस्तृत समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार साहनी, बरेली परिक्षेत्र द्वारा बुधवार को कार्यालय में परिक्षेत्र के जनपद प्रभारियों के साथ मासिक समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में एसएसपी अनुराग आर्य बरेली, एसएसपी बदायूँ, पुलिस अधीक्षक पीलीभीत एवं पुलिस अधीक्षक शाहजहाँपुर मौजूद रहे।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक के अनुसार निर्धारित अपराधों की गहन समीक्षा की गई। इसके साथ ही आपराधिक प्रकरणों, माफियाओं के विरुद्ध कार्यवाही, निरोधात्मक कार्रवाई, एसआर केस एवं लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया।

डीआईजी द्वारा हत्या, लूट, डकैती, बलात्कार, दहेज हत्या, पॉक्सो एक्ट, अपहरण, गोकशी, धर्मांतरण एवं साम्प्रदायिक संघर्ष जैसे संवेदनशील मामलों में की गई कार्रवाई की विस्तार से समीक्षा की गई।

इसके अतिरिक्त वर्तमान में संचालित अभियानों जैसे ऑपरेशन कन्विक्शन, ऑपरेशन क्लीन एवं ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत हुई प्रगति का भी आकलन किया गया।

महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए मिशन शक्ति फेज-5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत चलाए जा रहे अभियानों, नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों के प्रभावी संचालन एवं महिला बीट प्रणाली को मजबूत करने के निर्देश दिए गए।

साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिए साइबर हेल्प डेस्क के प्रभावी क्रियान्वयन और जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में लंबित विभागीय कार्यवाहियों, प्रारंभिक जांचों, आईजीआरएस, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं अन्य शिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

साथ ही यक्ष एप के संचालन को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश भी दिए गए। अंत में डीआईजी द्वारा सभी जनपदों में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए कड़े निर्देश जारी किए गए।

हर्ष एनक्लेव कॉलोनी में सीपीआर प्रशिक्षण, नागरिकों को सिखाए गए जीवन रक्षक उपाय

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा /बरेली। नागरिक सुरक्षा कोर अलखनाथ प्रभाग की वार्डन पोस्ट इज्जत नगर द्वारा हर्ष एनक्लेव कॉलोनी में सी.पी.आर. (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) का महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का संचालन सहायक उप नियंत्रक प्रमोद डागर द्वारा किया गया, जिसमें उन्होंने उपस्थित लोगों को आपात स्थिति में जीवन बचाने के महत्वपूर्ण तरीकों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम डिप्टी चीफ वार्डन रंजीत वशिष्ठ, डिवीजनल वार्डन अंजय कुमार अग्रवाल, डिप्टी डिवीजनल वार्डन रिजर्व कमलजीत तथा आई.सी.ओ. राजेश श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सीपीआर जैसी जीवनरक्षक तकनीक सीखने में गहरी रुचि दिखाई। उपस्थित नागरिकों ने इस उपयोगी प्रशिक्षण की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित कराने का अनुरोध किया।इस अवसर पर पोस्ट वार्डन अश्वनी सक्सेना, पोस्ट वार्डन रिजर्व प्रवेंद्र कुमार, अजय राय, पंकज कुमार सक्सेना, ओमप्रकाश तिवारी, जयदीप प्रिय कुमार, खलीलपुर पोस्ट से मोहम्मद अफजल, वरिष्ठ सहायक प्रेमपाल एवं ब्रह्मजीत सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

मुकेश कुमार को मिली पीएचडी की मानद उपाधि

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा /बरेली।फरीदपुर तहसील के ग्राम अहिरोला निवासी 35 वर्षीय मुकेश कुमार को गणित क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मानद पीएचडी उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 28 मार्च को दिल्ली में आयोजित एक समारोह में प्रदान किया गया। यह उपाधि Cedarbrook University (USA) द्वारा दी गई। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बॉलीवुड अभिनेत्री रितु शिवपुरी मौजूद रहीं। इस अवसर पर मुकेश कुमार को गोल्ड मेडल भी प्रदान किया गया।इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

रूहेलखंड जीएसटी प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन का द्वितीय वार्षिक समारोह धूमधाम से हुआ सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । रूहेलखंड जीएसटी प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन (RGPA) का द्वितीय वार्षिक समारोह बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। यह आयोजन सदस्यों के बीच आपसी सौहार्द, ज्ञान-विनिमय और पारिवारिक मेल-मिलाप का एक यादगार अवसर बन गया। एसोसिएशन ने सीए कपिल वैश्य के कुशल नेतृत्व में अपना दूसरा वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण किया। जीएसटी से जुड़े व्यावहारिक मुद्दों और विवादों पर चर्चा के उद्देश्य से गठित आर.जी.पी.ए. ने कम समय में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। कार्यक्रम के दौरान सचिव सीए वैभव चावला ने एसोसिएशन की अब तक की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आर.जी.पी.ए. परिवार को लगातार बढ़ते और मजबूत होते देखना गर्व की बात है।समारोह में परिवारों की भागीदारी ने कार्यक्रम को और भी खास बना दिया। बच्चों और बड़ों ने मिलकर जोड़ी गेम्स और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का भरपूर आनंद लिया।इस अवसर पर सीए सुमित अग्रवाल, सीए प्रदीप तिवारी, सीए शैलेंद्र महेश्वरी, सीए हर्षित मेहरा, सीए अर्पित खंडेलवाल, सीए अतुल अग्रवाल, सीए मयंक गुप्ता और सीए अंकित मेहरा सहित कई गणमान्य सदस्य अपने परिवारों के साथ उपस्थित रहे।

फतेहगंज पुलिस ने अवैध हथियार के साथ शातिर बदमाश को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली ।पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की गई है। थाना फतेहगंज पश्चिमी पुलिस टीम ने एक अभियुक्त को नाजायज हथियार और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। थाना फतेहगंज पश्चिमी पुलिस टीम गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति हाईवे कट से रूकमपुर जाने वाले पुराने रास्ते पर मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। पुलिस टीम ने मौके से नसीम खां उर्फ बब्लू पुत्र छोटे खां, निवासी ग्राम रूकमपुर से गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक नाजायज 12 बोर पोनिया और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। इस संबंध में थाना फतेहगंज पश्चिमी पर मु0अ0सं0 99/2026 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने कुछ अहम जानकारियां दी हैं, जिनके आधार पर पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है। अभियुक्त के खिलाफ पहले से कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें मारपीट, एनडीपीएस एक्ट और पाक्सो एक्ट जैसे मामले शामिल हैं। इस कार्रवाई में उ0नि0 पंकज कुमार, हेडकां प्रदीप कुमार व लेखपाल सागर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

नगर निगम की कार्रवाई से किसानों में रोष, किसान एकता संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / ?बरेली। दुग्ध डेयरी संचालकों और किसानों ने नगर निगम प्रशासन पर उत्पीड़न और भेदभावपूर्ण कार्रवाई का गंभीर आरोप लगाया है। किसान एकता संघ के नेतृत्व में किसानों ने बुधवार को नगर आयुक्त संजीव मौर्य को एक ज्ञापन सौंपकर कहा है कि अतिक्रमण हटाने के नाम पर केवल डेयरी किसानों को निशाना बनाया जा रहा है, जबकि रसूखदार दुकानदारों और सड़क घेरकर व्यापार करने वालों की तरफ नगर निगम के अधिकारी आंखें मूंदकर बैठे हैं। राष्ट्रीय संगठन मंत्री रवि नागर ने बताया कि नगर निगम के कर्मचारी आए दिन जेसीबी लेकर हवाई अड्डा गेट के समीप पहुंच जाते हैं और किसानों को जमीन खाली करने के लिए डराते-धमकाते हैं। किसान सड़क के किनारे गड्ढों में और मुख्य मार्ग से दूर अपना कारोबार कर रहे हैं, फिर भी उन्हें अतिक्रमणकारी बताकर प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन को याद दिलाया कि इस समस्या को लेकर पूर्व में हवाई अड्डा गेट से टोल प्लाजा तक पदयात्रा निकाली जा चुकी है और जिलाधिकारी को भी इस संबंध में ज्ञापन दिया जा चुका है, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है।

शादी का कार्ड दिखाओ, सिलिंडर पाओ जिले में शादी समारोह के लिए नई व्यवस्था लागू

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / ?बरेली। लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) संकट के बीच वैवाहिक आयोजनों की चिंता से निजात पाने के लिए बरेली जिला प्रशासन ने विशेष व्यवस्था लागू की है। आयोजकों को सिलिंडर के लिए जिलाधिकारी या पूर्ति कार्यालय में विवाह के कार्ड के साथ प्रार्थनापत्र देना होगा। कितने सिलिंडर दिए जाएंगे ये अफसर तय करेंगे। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से कच्चे तेल और गैस आपूर्ति प्रभावित होने से एलपीजी की उपलब्धता प्रभावित हुई है। 15 अप्रैल से सहालग शुरू हो रहे हैं। इधर आयोजकों को आतिथ्य के साथ ही केटरर्स और मैरिज हॉल संचालक को कारोबार की चिंता सता रही है।बताते हैं कि पूर्व में हुई

बुकिंग निरस्त कराने के लिए आयोजक संपर्क करने लगे हैं, लेकिन कारोबारी सांत्वना दे रहे हैं। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने सिलिंडर वितरण को लेकर नई व्यवस्था लागू कर दी है, ताकि वैवाहिक आयोजनों को लेकर लोग निश्चिंत रहें। हालांकि, यह सिलिंडर सशर्त ही उपलब्ध होंगे आवेदन और आपूर्ति की प्रक्रिया ये रहेगी-विभागीय जानकारी के अनुसार प्रार्थनापत्र में मेहमानों की संख्या और अनुमानित सिलिंडरों की जरूरत का स्पष्ट विवरण और आयोजन की तिथि भी स्पष्ट बतानी होगी। कार्ड संलग्न करना होगा। विचार के बाद पूर्ति विभाग कितने कॉमर्शियल सिलिंडर जारी होंगे, इस संख्या के साथ संबंधित गैस एजेंसी के नाम पत्र जारी करेगा। फिर एजेंसी, पेट्रोलियम कंपनी को मांगपत्र देगी। कंपनी से निर्धारित संख्या में सिलिंडर मिलेंगे। अस्थायी कनेक्शन देकर आयोजक से सिलिंडर की कीमत और सिक्योरिटी मनी के 4500 रुपये लेकर सिलिंडर दे दिए जाएंगे। सिलिंडर के दाम घटने और बढ़ने पर इसमें बदलाव भी हो सकता है।

कचरे से बनेगी बिजली, ग्रीन जोन बनने की दिशा में उठाया कदम

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / ?बरेली। छावनी क्षेत्र में कचरे से बिजली और बायो-सीएनजी बनाने की योजना को अमलीजामा पहनाने का काम शुरू कर दिया गया है। यह कदम क्षेत्र को ग्रीन जोन बनाने की दिशा में उठाया गया है। सीईओ डॉ. तनु जैन ने बताया कि छावनी परिषद ने इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट स्थापित करने का निर्णय लिया है। इस प्लांट में प्रतिदिन 40 टन से अधिक गीला और सूखा कचरा वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित किया जाएगा। इससे न केवल कचरे की समस्या कम होगी, बल्कि पर्यावरण को भी बड़ा लाभ मिलेगा। परियोजना के तहत कचरे से ग्रीन एनर्जी तैयार की जाएगी। सूखे और ठोस अपशिष्ट से बिजली उत्पादन के साथ-साथ बायो-सीएनजी भी बनाई जाएगी। इससे छावनी क्षेत्र ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। परियोजना के लागू होने के बाद स्थानीय निवासियों को पाइपलाइन के माध्यम से गैस उपलब्ध कराने की योजना है। इससे घरेलू उपयोग में सुविधा बढ़ेगी। एलपीजी पर निर्भरता कम होगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर सीएसआर फंड के जरिए करीब 25 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे।

चुनाव को लेकर प्राचार्य का किया घेराव

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / ?बरेली। बरेली कॉलेज में मंगलवार को कर्मचारी कल्याण समिति के लोगों ने प्राचार्य प्रो. ओपी राय का घेराव किया। सभी ने प्राचार्य द्वारा चुनाव को लेकर नोटिस जारी करने पर आपत्ति जताई। प्राचार्य ने सभी कर्मचारियों के सवालों का जवाब देकर संतुष्ट किया। प्राचार्य के समक्ष ही सभी ने 27 को आम सभा के दौरान ही सर्व सम्मति से चुनाव की घोषणा की गई। जितेंद्र मिश्र ने कहा कि एक पद पर दो या अधिक प्रत्याशी होने पर मौके पर ही मतदान की बात कही। प्राचार्य ने सभी प्रक्रिया नियमानुसार कराने को कहा।

विधायक बरखेड़ा एवं जिलाधिकारी ने जूनियर हाई स्कूल टाह पौटा से किया स्कूल चलो अभियान का शुभारम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत -स्कूल चलो अभियान की रैली को हरी झण्डी को किया रवाना स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ मरौरी ब्लॉक के जूनियर हाई स्कूल टाह पौटा से किया गया। बुधवार को मुख्य अतिथि बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी निरीक्षक राजीव कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह ने संयुक्त अवसर पर विधायक स्वामी प्रवक्ता एवं जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने नव प्रवेशित माला पहनाई और उन्हें निशुल्क पाठ्य पुस्तके बांटी। भव्य और दिव्य तरीके से खुशबू, ऋषभ, अरविंद कक्षा सात की ईशा, सुमित गजेंद्र कक्षा आठ की पुस्तके और सम्मान पाकर खुशी से खिल गए। स्कूल चलो अभियान के शेरनी का दूध है इसे जो पियेगा वह दहाड़ेगा। शिक्षा के बिना ना तो समाज का समाज में सम्मान दिलाती है। उन्होंने छात्रों से अपील की और कहा खूब पढ़े बनकर समाज की सेवा करें। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा कोई भी बच्चा के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह स्कूल न जाने वाले बच्चों को स्कूल में शिक्षित हो शिक्षा की मुख्य धारा से जुड़े उसे सरकारी योजनाओं का लाभ मिले। इसके बाद सभी अतिथियों ने स्कूल चलो अभियान की रैली को स्कूल परिसर से गांव के लिए रवाना किया। रैली की अगुवाई जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह ने की। रैली के दौरान स्कूल चलो अभियान से जुड़े स्कूली बच्चे नारे लगा रहे थे पढ़ी-लिखी लड़की रोशनी घर की। पढ़ेंगे पढ़ाएंगे रोज स्कूल आएंगे। आधी रोटी खाएंगे अपने बच्चे सभी पढ़ाएंगे। इस मौके पर विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी मरौरी सुनील कुमार सिंह ने छात्र-छात्राओं के साथ मिड डे मिल भी खाया। मिड डे मील में स्वादिष्ट व्यंजन बनाए गए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा की सभी शिक्षकों का दायित्व है गांव मोहल्ले में कोई भी ऐसा बच्चा न रहे जिसको स्कूल में प्रवेश न दिलाया गया हो। सभी बच्चों को स्कूल में प्रवेश दिलाई और उन्हें बेहतर शिक्षा दें। इसके लिए सभी लोग ग्रामीण अभिभावकों से संपर्क करें। उनके घर जाकर सम्मान तरीके से उन्हें शिक्षा का महत्व बताएं। इस अवसर पर जिला समन्वयक राकेश पटेल, मनीष श्रीवास्तव, सचिन चैधरी, जितेंद्र चैधरी, जिला व्यायाम शिक्षक राजीव कुमार, अजय कुमार, के के सागर सहित में शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

चीफ प्रॉक्टर पर अमर्यादित पोस्ट करने का आरोप, पद से हटाए गए

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा /बरेली। कॉलेज के चीफ प्रॉक्टर प्रो. आलोक खरे के नाम से बनी फेसबुक आईडी पर अमर्यादित पोस्ट किया गया, जिससे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने बुधवार को कॉलेज में जोरदार प्रदर्शन किया। कॉलेज परिसर में जुटे कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च करते हुए विरोध जताया और प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश राय के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। छात्र संगठन ने चीफ प्रॉक्टर के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग को लेकर काफी देर तक नारेबाजी की। आरोप लगाया कि चीफ प्रॉक्टर प्रो. आलोक खरे ने महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी की है। चीफ प्रॉक्टर से की धक्का-मुक्की-छात्र नेता चीफ प्रॉक्टर को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़ गए, जिससे कॉलेज परिसर में तनाव गहरा गया। प्रोफेसर खरे के सामने आते ही प्रदर्शनकारियों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए उनके साथ धक्का-मुक्की कर दी, जिसमें छात्राओं ने भी आगे बढ़कर घेराव किया। मौके पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने किसी तरह बीच-बचाव कर उन्हें सुरक्षित निकाला। छात्रों के जबरदस्त विरोध और बिगड़ती स्थिति को देखते हुए प्राचार्य ने तत्काल प्रभाव से चीफ प्रॉक्टर को पद से हटाते हुए पूरी प्रॉक्टोरियल टीम को भंग करने के आदेश जारी कर दिए हैं। वहीं छात्र नेता चीफ प्रॉक्टर को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़ गए, जिससे कॉलेज परिसर में तनाव गहरा गया। प्रोफेसर खरे के सामने आते ही प्रदर्शनकारियों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए उनके साथ धक्का-मुक्की कर दी, जिसमें छात्राओं ने भी आगे बढ़कर घेराव किया। मौके पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने किसी तरह बीच-बचाव कर उन्हें सुरक्षित निकाला। छात्रों के जबरदस्त विरोध और बिगड़ती स्थिति को देखते हुए प्राचार्य ने तत्काल प्रभाव से चीफ प्रॉक्टर को पद से हटाते हुए पूरी प्रॉक्टोरियल टीम को भंग करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

हक की बात : जिलाधिकारी के साथ संवाद, महिलाओं व बालिकाओं को मिलेगा न्याय का मंच

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। आज बुधवार को 12ः00 बजे कलक्ट्रेट सभागार बरेली में हक की बात जिलाधिकारी के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करना है, जहां वे सीधे जिलाधिकारी के समक्ष अपनी समस्याएं रख सकेंगे और उनका त्वरित निस्तारण कराया जा सके। प्रशासन द्वारा आयोजित इस पहल के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से सुनवाई की जाएगी। समस्त जनमानस, विशेषकर महिलाओं एवं बालिकाओं से अनुरोध है कि इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान कराएं और इस जनहितकारी पहल का लाभ उठाएं। आपकी आवाज़, आपका अधिकार – आइए और हक की बात में अपनी बात रखें ।

नोनी हा पढ़ही, तभे आगू बढ़ही – चांदनी बिहारपुर के कुबेरपुर में युवोदय स्वयंसेवकों की जागरूकता रैली से गूंजा बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ का संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच /बिहारपुर -सूरजपुर जिले के चांदनी बिहरपुर क्षेत्र कुबेर पुर बेटियों के उज्ज्वल भविष्य और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए जिला प्रशासन सूरजपुर की प्रतिबद्धता एक बार फिर जमीनी स्तर पर दिखी। कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देश के अनुपालन में एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में 30 मार्च को ब्लॉक ओड़गी की ग्राम पंचायत कुबेरपुर में बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत एक प्रभावशाली जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। NICEF °ß´ Agricon Foundation के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम ने ग्रामीण समाज में बाल विवाह उन्मूलन का एक सशक्त और स्थायी संदेश छोड़ा। रैली की विशेष बात यह रही कि मीडिल स्कूल के नन्हे बच्चों ने बाल विवाह विरोधी विषयों पर भावपूर्ण चित्र बनाकर इस अभियान को एक नई ऊर्जा और जीवंतता प्रदान की। बच्चों की इस सृजनात्मक भागीदारी ने उपस्थित ग्रामीणों के मन पर गहरी छाप छोड़ी। ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं युवोदय स्वयंसेवकों ने मिलकर बाल विवाह मुक्त ग्राम बनाने की दृढ़ शपथ ली। रैली के दौरान स्पष्ट संदेश दिया गया कि कानूनन लड़की की न्यूनतम विवाह आयु 18 वर्ष तथा लड़के की 21 वर्ष निर्धारित है और इससे कम आयु में विवाह करना एक दंडनीय अपराध है जो बाल विवाह की श्रेणी में आता है। युवोदय स्वयंसेवकों ने गाँव की गलियों में भ्रमण कर घर-घर तक यह जागरूकता पहुंचाई।रैली के दौरान प्रतिभागियों के उत्साही नारों से पूरा कुबेरपुर गुंजायमान हो उठा। नोनी हा पढ़ही, तभे आगू बढ़ही, आओ मिलकर कदम बढ़ाएं, बाल विवाह पर रोक लगाएं, हम सबने ठाना है, बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ बनाना है और बंद हो, बंद हो – बाल विवाह बंद हो जैसे नारों ने ग्रामीणों के मन में इस सामाजिक बुराई के विरुद्ध जागृति की नई लौ प्रज्वलित की। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित जनों को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ की सामूहिक शपथ दिलाने के साथ हुआ।इस सफल आयोजन में UNICEF के जिला समन्वयक श्री हितेश निर्मलकर, ब्लॉक समन्वयक सुश्री बेलासो प्रजापति, ग्राम पंचायत कुबेरपुर की सरपंच श्रीमती सुरज लाल, सचिव श्री राम कीसुन बैंस, आंगनबाड़ी पर्यवेक्षक सुश्री सत्यवती तथा युवोदय स्वयंसेवकों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की उल्लेखनीय भूमिका रही। इन सभी के सामूहिक प्रयास ने इस अभियान को ग्राम स्तर पर वास्तविक जन-आंदोलन का स्वरूप दिया।

बरेली में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ, निकाली गई जागरूकता रैली

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनपद में संचारी रोगों की रोकथाम एवं जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ मंगलवार को किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक सदर कैंट के प्रतिनिधि अरुण कश्यप एवं संजीव अग्रवाल द्वारा नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सिविल लाइन्स बरेली से एक विशाल जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, प्रभारी नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला मलेरिया अधिकारी, समस्त मलेरिया निरीक्षक, पाथ एवं डब्ल्यूएचओ के प्रतिनिधि सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। बताया गया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान 01 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक संचालित किया जाएगा, जबकि दस्तक अभियान 10 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक चलाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत नगर विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में एंटी लार्वा दवा का छिड़काव, फॉगिंग, नालियों की सफाई एवं झाड़ियों की कटाई जैसे कार्य किए जाएंगे। वहीं स्वास्थ्य एवं आईसीडीएस विभाग की टीमें घर-घर जाकर लोगों को संचारी रोगों के प्रति जागरूक करेंगी। इसके अलावा शिक्षा, कृषि एवं पशुपालन विभाग सहित अन्य विभाग भी मिलकर जनसमुदाय को रोग नियंत्रण के उपायों के प्रति जागरूक करेंगे। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे इस अभियान में सहयोग करें और अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखते हुए बीमारियों से बचाव के उपाय अपनाएं ।

दुकान और वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम 1962 की धारा 8 (2) तथा नियमावली 1963 के नियम 6 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत – जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने पीलीभीत, बीसलपुर, पूरनपुर, न्यूरिया हुसैनपुर, बिलसण्डा, गुलडिया भिण्डारा, जहानाबाद, कलीनगर, बरखेड़ा के लिए वर्ष 2026 के साप्ताहिक बन्दी के दिन निम्न प्रकार से स्वीकृत किये हैं- पीलीभीत रविवार के दिन धान के समस्त कारखाने (नगर सीमा में) एवं टेऊक्टर सेल्स कारपोरेशन, विकास टेऊक्टर, इफ्को सेवा कृषि केन्द्र, दादू टेऊक्टर कम्पनी, प्लोटिको, कुमार टेऊक्टर्स, ज्ञान टेऊक्टर्स, महालक्ष्मी टेऊक्टर्स, मै0 गुरूनानक एजेंसीज, मनोज मशीनरी स्टोर, श्री पूर्णागिरी मशीनरी स्टोर, गंगवार साईकिल स्टोर्स (मशीनरी स्टोर), मौर्या इण्टरप्राइजेज, मै0 ए0के0 टेऊर्स, मै0 प्रकाश मशीनरी स्टोर, शर्मा बोरिंग पाईप स्टोर, मै0 गंगवार एग्रीकल्चर एण्ड मशीनरी स्टोर, रामा स्पेयर पार्टस, मै0 खेड़ा एग्रो मशीनरी स्टोर, दादू दयाल टेऊर्स जाटों का चैराहा, मै0 गुप्ता इन्स्टालमेंट प्रा0लि0, मै0 एम0एस0 डीजल्स, मै0 वीर प्रताप टेऊक्टर्स एण्ड स्पेयर पार्टस बाईपास रोड पीलीभीत, रामा कालेज रोड व गांधी स्टेडियम रोड की समस्त बुक डिपो, समस्त टाईप इन्स्ट्रीटयूट पीलीभीत, मै0 अर्पणा मशीनरी स्टोर निकट एकता सरोवर चैराहा पीलीभीत, मै0 राजा मिल स्टोर पीलीभीत, ओम इण्टरप्राइजेज, प्रज्ञा फोटो स्टेट एण्ड लेमीनेशन, वर्मा साईकिल स्टोर, संजय फोटो स्टूडियो, गायत्री जनरल स्टोर, स्वाति फोटो स्टेट, मस्तान इलैक्ट्रीकल्स, भंवनी रेस्टोरेन्ट, हनी फोटो स्टेट, उत्तम फोटो स्टूडियो, राकेश चन्द्र, जितेन्द्र कुमार निकट नई तहसील परिसर पीलीभीत। सोमवार-श्री दादू गैस सर्विस, जाटों का चैराहा पीलीभीत गैस सर्विस, सी आवास विकास कालोनी, मीना इण्डेन गैस सर्विस, जाटों का चैराहा पीलीभीत। मंगलवार-शेष सभी दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान। बीसलपुर में शुक्रवार को समस्त दुकान और वाणिज्य अधिष्ठान, नाईयों तथा केश प्रसाधनों की दुकान के अतिरिक्त। मंगलवार-नाईयों तथा केश प्रसाधनों की दुकानें। पूरनपुर में सोमवार को समस्त दुकान और वाणिज्य अधिष्ठान, नाईयों तथा केश प्रसाधनों की दुकान के अतिरिक्त। मंगलवार-नाईयों तथा केश प्रसाधनों की दुकानें। न्यूरिया हुसैनपुर-सोमवार को समस्त दुकान और वाणिज्य अधिष्ठान, नाईयों तथा केश प्रसाधनों की दुकानों के अतिरिक्त। मंगलवार-नाईयों तथा केश प्रसाधनों की दुकानें। बिलसण्डा-बुद्धवार समस्त दुकान और वाणिज्य अधिष्ठान, नाईयों तथा केश प्रसाधनों की दुकानों के अतिरिक्त। मंगलवार-नाईयों तथा केश प्रसाधनों की दुकानें। गुलड़िया भिण्डारा में शुक्रवार को अधिनियम के अंतर्गत आच्छादित सभी दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान। जहानाबाद-में सोमवार को अधिनियम के अंतर्गत आच्छादित सभी दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान। कलीनगर-में बुद्धवार को अधिनियम के अंतर्गत आच्छादित सभी दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान। बरखेडा-में सोमवार को अधिनियम के अंतर्गत आच्छादित सभी दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान।

संक्षिप्त समाचार

गलत बिल उड़ा रहे स्मार्ट मीटर वाले, उपभोक्ता परेशान, रोज आ रहीं एक हजार शिकायतें

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। फ्यूज उड़ने के चलते बिजली गुल होने को लेकर आए दिन चर्चा में रहने वाले विद्युत निगम की ओर से जारी होने वाले स्मार्ट मीटर के गलत बिल उपभोक्ताओं के दिमाग की भी बत्ती गुल कर रहे हैं। स्मार्ट मीटर को लेकर रोज करीब एक हजार शिकायतें आ रही हैं। इनमें से ज्यादातर बिल से संबंधित होती हैं। किसी के बिल पर दूसरे का आठ महीने का बकाया जुड़कर आ रहा है, तो एक उपभोक्ता के बिल पर बलिया के उदयराज का नाम दिख रहा है। विगत दिवद बिजली निगम के दफ्तर पहुंचे सुभाषनगर के आदित्य कुमार ने बताया कि घर में सिर्फ दो पंखे चलते हैं। बिल माइनस 2200 रुपये दिख रहा है। छोटी बाजार के हरपाल मौर्य ने बताया कि 20 मार्च 2026 को कनेक्शन ट्रांसफर के लिए आवेदन किया है। बिल जीरो करने के लिए 10 हजार रुपये जमा कर दिया गया। घर का ताला बंद है और आठ दिन में बिल 115 रुपये हो गया।

प्रदेश में 3,200 करोड़ की 11 रियल एस्टेट परियोजनाओं को मंजूरी, नोएडा में सबसे ज्यादा इकाइयां

राजधानी लखनऊ में 947.04 करोड़ की दो परियोजनाओं को मंजूरी मिली है, जिनमें कुल 815 इकाइयां विकसित होंगी। इनमें एक आवासीय और एक मिश्रित उपयोग की परियोजना शामिल हैं। राज्य भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने 3,212.63 करोड़ की लागत वाली 11 नई परियोजनाओं को मंजूरी दी है। ये परियोजनाएं प्रदेश के नौ जिलों में विकसित होंगी, जिनमें कुल 2,914 आवासीय, वाणिज्यिक और मिश्रित इकाइयों का निर्माण किया जाएगा।यूपी रेरा मुख्यालय में आयोजित 199वीं बैठक में इन परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। बैठक की अध्यक्षता प्राधिकरण के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने की। सबसे अधिक निवेश के मामले में गाजियाबाद शीर्ष पर रहा, जहां 1,108.69 करोड़ की लागत से 568 इकाइयों वाली आवासीय परियोजना को मंजूरी मिली है। वहीं, इकाइयों की संख्या के लिहाज से गौतमबुद्ध नगर आगे रहा, जहां 843.14 करोड़ की लागत से 1,077 आईटी ऑफिस स्पेस विकसित किए जाएंगे। इससे नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में कॉर्पोरेट ढांचे को मजबूती मिलने की उम्मीद है।राजधानी लखनऊ में 947.04 करोड़ की दो परियोजनाओं को मंजूरी मिली है, जिनमें कुल 815 इकाइयां विकसित होंगी। इनमें एक आवासीय और एक मिश्रित उपयोग की परियोजना शामिल है, जो शहर में बढ़ती आवासीय और व्यावसायिक मांग को पूरा करने में मदद करेंगी। इसके अलावा झांसी में 96.69 करोड़ की दो परियोजनाओं के तहत 134 इकाइयां, आगरा में 47.86 करोड़ से 80 इकाइयां और मथुरा में 55 करोड़ की परियोजना में 86 आवासीय इकाइयां विकसित की जाएंगी। मेरठ में 3.11 करोड़ की परियोजना में 35 इकाइयां, बरेली में 98.50 करोड़ से 100 इकाइयां और फिरोजाबाद में 12.60 करोड़ की लागत से 19 इकाइयों का निर्माण प्रस्तावित है। यूपी रेरा ने स्पष्ट किया है कि सभी परियोजनाओं की समयसीमा और नियामकीय प्रावधानों का कड़ाई से पालन कराया जाएगा। परियोजनाओं की नियमित निगरानी से उनकी समय पर पूर्णता सुनिश्चित की जायेगा। यूपी रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने कहा कि सख्त निगरानी और नियमों के अनुपालन से परियोजनाएं समय पर पूरी होंगी और खरीदारों के हित सुरक्षित रहेंगे।

मुरादाबाद में तेंदुए का आतंक: खौफ में जी रहे 40 से अधिक गांवों के ग्रामीण, इलाके में लगातार दिख रहे शावक

मुरादाबाद के कांठ इलाके में तेंदुए को लगातार दहशत बनी हुई है। करीब 40 गांवों के ग्रामीण इससे भयभीत है। वन विभाग की टीम ने तेंदुए को पकड़ने के लिए पिजरा लगा दिया है। मुरादाबाद के कांठ तहसील क्षेत्र में तेंदुओं का जबरदस्त हमले किए जाने से क्षेत्र में दहशत और बढ़ गई है। गांव मिश्रीपुर, मंझरा, बेगमपुर, खूंटखेड़ा, हीरापुर, ध्यानपुरा, है।जबकि पहले से ही क्षेत्र के गांव सलेमपुर, फजलाबाद, गोपालपुर, बहादरपुर खद्दर, फत्तेहपुर विश्नोई, मुख्त्यारपुर वैरमपुर, चंगेरी समेत 40 गांवों के ग्रामीण भयभीत हैं। किसान को भी अकेले घरों से बाहर नहीं जाने दिया जा रहा है।उधर, मिल रहे हैं। अब तो तेंदुओं के द्वारा हमला कर लोगों को आतंक होने से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है। दो दिन से लगातार तेंदुओं द्वारा महदूद कलमी, हसनगढ़ी, कुम्हरिया जुबला, जहांगीरपुर चकफेरी, गदापुर, भागीजोत सहित खादर क्षेत्र के तमाम गांवों में तेंदुए की दहशत व्याप्त हो गई दरियापुर, राजीपुर खद्दर, मल्लीवाला, अकबरपुर चैदरी, गढ़ी, सिकंरादबाद, नवादा, नसीरपुर, हरिनूरपुर, डेहरा, मल्हपुर खैईया, नजराना, मुंडाला, फलैदा, खेतों पर जरूरी काम करने के लिए जाने से भी कतराते हैं, तो वहीं बच्चों हर रोज कहीं न कहीं तेंदुए दिखाई देने के साथ उनके शावक भी लगातार घायल भी किया जा रहा है। इसके बाद भी वन विभाग कुछ नहीं कर पा रहा है। पिछले दो महीने से तेंदुओं का आतंक कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है।30 जनवरी को कांठ के फजलाबाद में तेंदुए ने गोवंशीय पशु को निवाला बना लिया था। तीन फरवरी को छजलैट के वैरमपुर निवासी राहुल के खेत में तेंदुआ दिखा था। पांच फरवरी को मुंडाला के नीटू के कुत्ते को तेंदुआ उठा ले गया था। 18 फरवरी को नसीरपुर में मृत तेंदुआ मिला था। 19 फरवरी को लाडलाबाद के जंगल में तेंदुए ने वनरोज पर हमला कर दिया था।20 फरवरी को अहमदपुर निंगू नंगला में कार सवारों को दो तेंदुए दिखे थे। 24 फरवरी को दरियापुर से गश्त कर लौट रही पुलिस टीम के सामने तेंदुआ आ गया था। 25 फरवरी को समंदपुर के पूर्व प्रधान योगेश सिंह के खेत में तेंदुआ देखा गया था। 12 मार्च को मुख्त्यारपुर नवादा में नहर के किनारे कार सवारों ने तेंदुआ देखा था। 14 मार्च को लदावली और सुंदरपुर चाऊपुरा में दो तेंदुए दिखाई दिए थे।19 मार्च को दयानाथपुर में तेंदुए के दो शावक मिले थे। 21 मार्च को मल्हपुर खैईया में तेंदुए ने गोवंश को निवाला बनाया था। 23 मार्च को फत्तेहपुर के किसान विजेंद्र सिंह को तेंदुए ने हमला कर घायल कर दिया था। 28 मार्च को सलेमपुर में दो शावक सहित तेंदुआ दिखाई दिया था। 30 मार्च को दिन में फजलाबाद में दो शावक मिले तो देर शाम को महदूद कलमी में तेंदुए ने बच्ची सिदरा को घायल कर दिया था।

अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना मल्हीपुर का किया वार्षिक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल /श्रावस्ती। अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम ने थाना मल्हीपुर का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें सम्मान गार्द द्वारा सलामी दी गई। अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना कार्यालय में विभिन्न महत्वपूर्ण अभिलेखों का गहन अवलोकन किया एवं उनके रखरखाव की गुणवत्ता की जांच की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रजिस्टर नंबर-8, अपराध रजिस्टर,

एक्टिव लिस्ट, बीट सूचना रजिस्टर, फ्लाई शीट रजिस्टर, बी0पी0ओ0 रजिस्टर, शस्त्र सत्यापन रजिस्टर, आगंतुक रजिस्टर, प्रार्थना पत्र एवं न्यायालय आर्डर बुक सहित विभिन्न अभिलेखों का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। त्योहार रजिस्टर की भी विशेष रूप से जांच की गई, जिसमें बीते त्योहारों की प्रविष्टियां अंकित कर अभिलेखों के समुचितरखरखाव एवं उनमें पारदर्शिता कर्मचारीगण उपस्थित रहे। बनाए रखने के निर्देश दिए। अभिलेखों के निरीक्षण के उपरांत थाना परिसर, सीसीटीएनएस कार्यालय, साइबर हेल्प डेस्क व मिशन शक्ति केन्द्र पर नियुक्त महिला पुलिस कर्मियो से उनके कार्यों के बारे में जानकारी लेते हुये अभिलेखो की जांच की व बृहद स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने हेतु निर्देश दिए, बंदीगृह, शस्त्रागार, मालखाना, आरक्षी बैरक एवं भोजनालय का भी बारीकी से निरीक्षण किया। थाना परिसर की स्वच्छता एवं अनुशासनात्मक व्यवस्था उच्च स्तर की पाई गई। इसके अतिरिक्त, ऑपरेशन क्लीन के तहत थाना परिसर में खड़े लावारिस एवं मुकदमाती वाहनों के शीघ्र निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक मल्हीपुर महेंद्र कुमार सिंह एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सत्यनारायण वैष्णव कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा प्रदेश सचिव,नागेश जोशी संभागीय अध्यक्ष नियुक्त

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ माचलपुर = - भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ (आईएफडब्ल्यूजे)की अमरकंटक में आयोजित 28,29 मार्च दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक में संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अवधेश भार्गव की सहमति से प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र गौतम ने सारंगपुर के वरिष्ठ पत्रकार सत्यनारायण वैष्णव को कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

किया है, वही माचलपुर के वरिष्ठ पत्रकार घनश्याम शर्मा को प्रदेश सचिव एवं नागेश जोशी को भोपाल संभागीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।इनकी नियुक्ति से संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी। संघ के पदाधिकारियों सहित जिले एवम प्रदेश के पत्रकारों सहित ईस्ट मित्रों ने शुभकामनाएं दी ,उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय कार्यसमिति की इस बैठक में मध्य प्रदेश सहित उत्तर प्रदेश बिहार उत्तराखंड राजस्थान गोवा पंजाब नागालैंड महाराष्ट्र पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न राज्यों के पदाधिकारियों ने भाग लिया और पत्रकारों के हितों में गहन मंथन कर अनेक प्रस्ताव पास किऐ

नटेरन में चना एवं मसूर उपार्जन केंद्र का विधायक ने किया शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ प्राथमिक कृषक उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, सेऊ (एफपीओ) द्वारा संचालित चना एवं मसूर उपार्जन केंद्र का शुभारंभ क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक सूर्य प्रकाश मीणा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक शमशाबाद द्वारा सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। तत्पश्चात तोल कांटे का विधिवत पूजन कर कृषकों का सम्मान किया गया। इस दौरान कृषक रवि धाकड़ एवं घनश्याम शर्मा का स्वागत करते हुए तौल प्रक्रिया का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर विधायक मीणा ने किसानों को उत्तम गुणवत्ता की उपज उत्पादन हेतु प्रेरित करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने केंद्र एवं मध्य प्रदेश शासन की जनहितैषी योजनाओं की जानकारी देते हुए कृषि विभाग की सक्रियता की सराहना की तथा किसानों की आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करने पर बल दिया। कार्यक्रम में उपस्थित कृषि उपसंचालक के. एस . खपेड़िया ने जानकारी दी कि शासन की मंशा के अनुरूप किसान उत्पादक संगठन को प्रथम बार खरीदी केंद्र उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे केवल मानक गुणवत्ता की उपज ही लेकर आएं। साथ ही बताया कि खरीदी उपरांत समस्त उपज का परिवहन शासकीय गोदामों में किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और किसी प्रकार की अनियमितता की संभावना समाप्त होगी।संस्था के अध्यक्ष अंशुज शर्मा (सेऊ) ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि संस्था शासन के सभी नियमों का पूर्ण पालन करेगी। उन्होंने कर्मचारियों को निर्देशित किया कि किसानों को हर संभव सहयोग एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता लक्ष्मी नारायण तिवारी, दिनेश श्रीवास्तव, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी, मंडल अध्यक्ष संग्राम सिंह रघुवंशी, कमलेश मेहर, पूर्व जनपद अध्यक्ष निरंजन सिंह रघुवंशी, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अरुण रघुवंशी, वरिष्ठ पत्रकार बृजेंद्र रघुवंशी, सुशील कुमार जैन, कल्याण सिंह रघुवंशी, कल्लू काका, कल्याण सिंह यादव, संजय चौकसे, देवी सिंह रघुवंशी, भीमसेन महाराज, ग्राम सेऊ सरपंच प्रतिनिधि विकेश मालवीय, अखिलेश रघुवंशी, राजेश रघुवंशी, वीर सिंह विश्वकर्मा, जगदीश महाराज, गजराज कुशवाहा, छोटू कुशवाहा, अशोक शर्मा, नटेरन एसएडीओ गुर्जर, राघवेंद्र अहिरवार, कालूराम किरार, महेश खूनटिया, पंचम कुशवाहा, गणेश राम, खाचोरा के संजीव कुशवाहा सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त पुलिस कर्मी को गरिमामय सम्मान एवं भावभीनी दी गई विदाई

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। क्षेत्राधिकारी भिनगा सतीश कुमार शर्मा व क्षेत्राधिकारी इकौना भरत पासवान द्वारा जनपद श्रावस्ती में सेवानिवृत्त हुए पुलिस कर्मी के सम्मान में गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया। गया। इस अवसर पर उप निरीक्षक नागरिक पुलिस रमाशंकर प्रसाद को उनके दीर्घकालिक, अनुशासित एवं निष्ठापूर्ण सेवाकाल के लिए सम्मानित किया गया। क्षेत्राधिकारीगण द्वारा सेवानिवृत्त पुलिस कर्मी की कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं विभाग के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा गया

कि उन्होंने अपने सम्पूर्ण सेवाकाल में कानून-व्यवस्था, जनसेवा एवं विभागीय अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनके द्वारा प्रदर्शित कार्यसंस्कृति वर्तमान एवं नव-नियुक्त पुलिस कर्मियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगी। पुलिस विभाग उनके अमूल्य योगदान पर गर्व करता है। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारीगण द्वारा सेवानिवृत्त पुलिस कर्मी को स्मृति चिह्न भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखमय जीवन की हार्दिक शुभकामनाएँ दी गईं। कार्यक्रम में प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार, पेशकार पुलिस अधीक्षक भानु प्रताप सिंह सहित एच अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

चोरी का पुलिस ने किया खुलासा दो गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी% द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे प्रभावी नियंत्रण व कार्यवाही के संबंध में दिए गए आदेश व निर्देश के क्रम में थाना हरदत्तनगर गिरण्ट पर पंजीकृत मु0अ0सं0 48/2026 धारा 305 (1), 317 (2), 331 (1) बीएनएस बनाम अज्ञात का अनावरण कर अभियुक्तगण की गिरफ्तारी हेतु %अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चन्द्र उत्तम% व %क्षेत्राधिकारी भिनगा सतीश कुमार शर्मा% के कुशल निर्देशन में व प्रभारी निरीक्षक महिमानाथ उपाध्याय थाना हरदत्तनगर गिरण्ट जनपद श्रावस्ती के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम के द्वारा घटना स्थल के पास में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से प्रकाश में आये 2 अभियुक्त क्रमशः 1. इसाक अली उर्फइसहाक पुत्र अब्दुल सत्तार अली निवासी शाहपुर अचरौरा थाना हरदत्तनगर गिरण्ट जनपद श्रावस्ती, 2. आलोक कुमार गुप्ता पुत्र राधेश्याम गुप्ता निवासी नासिरगंज थाना सोनवा जनपद श्रावस्ती के कब्जे से तीन हजार पाँच सौ (3500) भारतीय मुद्रा, तथा 01 अंगूठी सफेद धातू, 03 जोड़ी पायल सफेद धातु, 02 जोड़ी चुटकी था रथ रथ पर सफेद धातु, 01 झुमकी सफेद धातु, 01 माला सफेद धातु बरामदगी की गयीं

किसानों पर फिर बरसा कुदरत का कहर

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ नटेरन= - विदिशा तहसील के कई गांवों में बिछी सफेद चादर; परस परसोरा देवखजूरी, कोलिंजा, संकलखेडा, चटोरिया, सहित आसपास के कई ग्रामों में भारी तबाही हुईं बुधवार की शाम करीब 4 बजे विदिशा तहसील के किसानों के लिए किसी काली त्रासदी से कम नहीं रही। क्षेत्र के परस परसोरा देवखजूरी, कोलिंजा, संकलखेडा, चटोरिया बेल्ट में अचानक बदले मौसम के मिजाज ने देखते ही देखते तबाही का मंजर पैदा कर दिया। तेज गर्जना और कड़कती बिजली के बीच हुई बारिश कम और भीषण ओलावृष्टि ने क्षेत्र के कई गांवों में पकी-पकाई फसलों को पूरी तरह जमींदोज कर दिया है। आसमान से बरसी %सफेद आफत%- बुधवार शाम करीब 4=00 बजे आसमान में काले बादलों का डेरा जमा और तेज हवाओं के साथ ओले गिरना शुरू हुए। परस परसोरा देवखजूरी, कोलिंजा, संकलखेडा, चटोरिया सहित आसपास के गांवों में ओलों का आकार इतना बड़ा था कि कुछ ही मिनटों में खेतों से लेकर सड़कों तक बर्फ की सफेद चादर बिछ गई। प्रकृति के इस उग्र रूप ने किसानों के साल भर के अरमानों को चकनाचूर कर दिया है। खेतों में बिछ गई किसानों की उम्मीद- वर्तमान में खेतों में गेहूं और, चना की फसलें पूरी तरह पककर तैयार थीं। कई जगह कटाई का काम शुरू हो चुका था, लेकिन इस बेमौसम मार ने ओलों की चोट से गेहूं की बालियां टूटकर जमीन पर गिर गईं। चने और सरसों का नुकसान= चने के झाड़ उखड़ गए और सरसों की फलियां झड़ जाने से दाना पूरी तरह बर्बाद हो गया। खड़ी फसलें आड़ी गिरने और पानी में डूबने से अब उनके काले पड़ने का डर सता रहा है। परस परसोरा की किसान जसवंत सिंह रघुवंशी ने बताया की करीब 4 बजे परस परसोरा ग्राम में तेज हवा के साथ बेर से भी बड़े आकार के ओले गिरे कुछ ही मिनटों में खेतो और घरों पर सफेद चादर सी नजर आने लगी और फसलों को तो भारी नुकसान हुआ है फसल पकी हुई खड़ी थी बस हार्वेस्टिंग ही करवानी थी हम किसानों पर तो यह कहर बरपा है

संक्षिप्त समाचार

राप्ती नदी में नहाने गए दो किशोरों की डूबने से हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती के थाना इकौना क्षेत्र अंतर्गत जगरावल गढ़ी निवासी दो किशोर दोपहर में राप्ती नदी में नहाने गए थे जहां नहाते समय पैर के फिसलने से

दोनों किशोर गहरे पानी में डूब गए। जब इसकी सूचना परिजनों को हुई तो भारी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए। मौके पर पुलिस व स्थानीय गोताखोर की मदद से सूरज 12 वर्ष तथा अनिल यादव 13 वर्ष को गहरे पानी से बाहर निकाला गया और सीएससी इकौना पहुंचे जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। ऐसे में मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा भरवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस हादसे से पूरे गांव में शोक छाई हुई है वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आईएएस रिंकू सिंह पर अखिलेश का बयान, बोले- भावावेश में फैसला न लें अफसर, पीडीए सरकार आने वाली है

सपा अध्यक्ष ने आईएएस रिंकू सिंह के तकनीकी इस्तीफे पर कहा कि अधिकारी भावावेश में निर्णय न लें। उन्होंने भविष्य की पीडीए सरकार का हवाला देते हुए कहा कि पीडीए में सभी अधिकारियों और

कर्मचारियों को उचित सम्मान मिलेगा। भाजपा सरकार में कुशल अधिकारियों की कोई अहमियत नहीं है।सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आईएएस रिंकू सिंह राही के तकनीकी इस्तीफा प्रकरण पर कहा है कि कुशल अधिकारियों की भाजपा सरकार में कोई अहमियत नहीं है। भाजपा में तो उनकी पूछ है, जो निवेश तक में 5 प्रतिशत का प्रवेश शुल्क वसूल लेते हैं।उन्होंने कहा कि हर अच्छे अधिकारी से हमारी मांग है कि भावावेश में आकर कोई फैसला न करें, बुरे दिन जाने वाले हैं। पीडीए सरकार आएगी और सबको उचित मान-सम्मान-स्थान देगी, क्योंकि पीडीए की सरकार जनता की सरकार होगी। पीडीए सरकार समस्याओं के समाधान व असमानताओं को दूर करने के लिए सच में विकास के काम करेगी।सपा अध्यक्ष ने कहा कि क्वॉलिटी वर्क और तय समय सीमा के अंदर काम को पूरा करने के लिए हमेशा ही बेहतरीन अधिकारियों की जरूरत पड़ती है। अपने काम में पारंगत अधिकारियों की हमने हमेशा कद्र की है और आगे भी करेंगे। पीड़ित अधिकारी हो या कर्मचारी सभी भाजपा को हटाने के लिए पीडीए के साथ हैं। पीड़ा बढ़ रही है, इसीलिए पीडीए बढ़ रहा है। जो पीड़ित, वो पीडीए है।

पुरुष के पेट में बच्चेदानी!: अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट देख डॉक्टर रह गए हैरान, मरीज के उड़े होश

बदायूं के सहसवान में एक निजी पैथालॉजी लैब की बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां एक मरीज ने अल्ट्रासाउंड जांच कराई। लैब से जो रिपोर्ट मिली, उसे देखकर डॉक्टर और मरीज दोनों हैरान रह गए।बदायूं के सहसवान क्षेत्र से बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। बस स्टैंड के पास स्थित एक निजी पैथालॉजी में कराए गए अल्ट्रासाउंड में ऐसी रिपोर्ट सामने आई, जिसे देखकर डॉक्टर हैरान रह गए। इसमें एक पुरुष मरीज के पेट में %बच्चेदानी% (यूट्रस) दिखाई गई। इसको लेकर मरीज और उनके परिजन भी हैरान हैं। सहसवान क्षेत्र के समसपुर निवासी नेम सिंह पेट दर्द की समस्या को लेकर अस्पताल पहुंचे थे। डॉक्टर की सलाह पर उन्होंने निजी पैथालॉजी लैब में अल्ट्रासाउंड जांच कराई। लेकिन जब रिपोर्ट हाथ में आई, तो उसमें ऐसी बात लिखी थी, जो चिकित्सा विज्ञान के अनुसार संभव नहीं है।रिपोर्ट में साफ तौर पर दर्शाया गया कि उनके पेट में बच्चेदानी है। वह रिपोर्ट को लेकर दहगवां के सरकारी अस्पताल पर पहुंचे तो वहां पर तैनात डॉक्टर रिपोर्ट देखकर हैरान हो गए। उन्होंने तुरंत मरीज को रिपोर्ट लेकर जिला अस्पताल या दिल्ली में जाकर इलाज कराने के लिए कहा। डॉक्टर बोले- यह गंभीर लापरवाही - डॉक्टर कहा कि रिपोर्ट के अनुसार नेम सिंह के पेट में बच्चेदानी है। यह सुनकर नेम सिंह घबरा गए और उन्होंने तुरंत दूसरी जगह डॉक्टर से परामर्श लिया। डॉक्टर ने रिपोर्ट को देखते ही इसे गंभीर लापरवाही बताया। उनका कहना था कि पुरुष के शरीर में बच्चेदानी होना असंभव है, इसलिए यह या तो मशीन की तकनीकी गड़बड़ी है या फिर रिपोर्ट तैयार करने में बड़ी गलती हुई है। इस घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। लोग अस्पताल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं और संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। सीएमओ डॉ. श्रीमोहन झा ने बताया कि इस मामले की जांच कराई जाएगी। पैथालॉजी लैब को सील करा दिया गया है।

Are your "healthy habits" increasing your risk of kidney stones? Doctors warn

Excessive and prolonged consumption of calcium and vitamin D can increase the risk of kidney stones. Excessive calcium intake increases the level of calcium in urine, which can lead to kidney stones. The risk of chronic diseases is steadily increasing worldwide. Kidneys are one of the organs most affected by lifestyle and dietary imbalances. Kidney-related diseases were previously considered a problem associated with aging, but now cases of kidney disease are increasing among younger people, even children. Kidney stones are a common problem. The kidneys are our body's natural filters, playing a vital role in keeping the blood clean. If the kidneys fail to function properly due to any disease, toxins begin to accumulate. People with poor diets are at a higher risk of developing kidney stones. But did you know that one mistake made while trying to stay healthy can increase the risk of kidney stones? Kidney Stone Risk: When substances like calcium oxalate and uric acid are not properly filtered and excreted from the body due to a kidney problem, their small crystals combine to form stones. These stones can cause extreme pain and discomfort. There are other conditions that also increase the risk of kidney stones. Lack of water thickens urine, which increases the risk of stones. Obesity and dietary irregularities, such as junk food, excessive salt and sugar intake, and a lack of fiber, also increase the risk of kidney stones. Let's learn about a healthy habit that is unknowingly increasing the risk of kidney stones. Vitamin D and calcium supplements are increasing the risk: Health experts say that many reports have warned that the risk of vitamin D and calcium deficiencies is increasing among Indians. This has a direct impact on bones. To compensate for these nutritional deficiencies, people often take supplements for long periods of time, often without medical advice.

This mistake, made in the pursuit of health, can prove costly. Health experts say that consuming calcium and vitamin D together in excessive amounts and for a long period of time can increase the risk of kidney stones. This is because high levels of vitamin D increase the body's absorption of calcium, leading to increased calcium levels in the urine. This is called hypercalciuria, and this increases the risk of kidney stones in such individuals. Excessive vitamin D can be harmful. Health experts say that while it is safe to take supplements in balanced amounts and on the advice of a doctor, taking excessive doses or for a long time can increase the risk. Consuming more than 4,000 IU of vitamin D daily can increase the risk of kidney stones. Excessive vitamin D increases the absorption of calcium in the intestines, which increases calcium excretion through urine. Patients who have had kidney stones in the past are at a higher risk. It is always advised to take calcium supplements with food, because even taking them alone has been shown to increase the risk of stone formation. How to know if you have kidney stones? In case of kidney stones, the first thing that happens is severe pain in the back or lower abdomen. Along with this, problems like burning sensation while urinating, bleeding, frequent urination are seen. Due to kidney stones, you may also have problems like frequent fever and vomiting. If you are facing such problems, then you must definitely consult a doctor in time.

Don't accidentally store these fruits and vegetables together; they can become poisonous!

Some fruits and vegetables spoil faster when stored together because they release ethylene gas, such as bananas, apples, and tomatoes. This gas can quickly rot other nearby foods. Therefore, they should be stored separately. We often store fruits and vegetables together in the kitchen, but this habit can quickly spoil your food. Some foods release ethylene gas, which can quickly cause things stored nearby to rot. Even small storage mistakes can spoil your food and affect your health. By storing fruits and vegetables properly, you can not only save money but also stay healthy. If you want your food to stay fresh for longer, it's crucial to avoid these combinations. Let's learn which items should be stored together and which should be kept apart to prevent spoilage. Tomatoes and Carrots: Never store tomatoes and carrots together. Tomatoes release ethylene gas, which causes carrots to soften and spoil quickly. Potatoes and onions – This is the most common mistake. The moisture and gas in onions causes potatoes to rot and sprout. Apples and bananas – Both release ethylene gas, which accelerates each other's spoilage. Broccoli and tomatoes – Tomatoes should never be stored together with broccoli. The gas in tomatoes causes broccoli to yellow and spoil quickly. Avocados and bananas – Both avocados and bananas accelerate their ripening process, causing them to spoil more quickly. Tomatoes and cucumbers – Cucumbers spoil more quickly because the gas released by tomatoes affects them. Why does this happen? Some fruits and vegetables release ethylene gas, a natural hormone. This gas accelerates the ripening process. However, when this gas comes into contact with other vegetables, they spoil more quickly. Proper storage tips – Keep bananas, apples, and tomatoes separate. Never store potatoes and onions together. Keep foods separate before storing in the refrigerator. Use a dry, cool place.

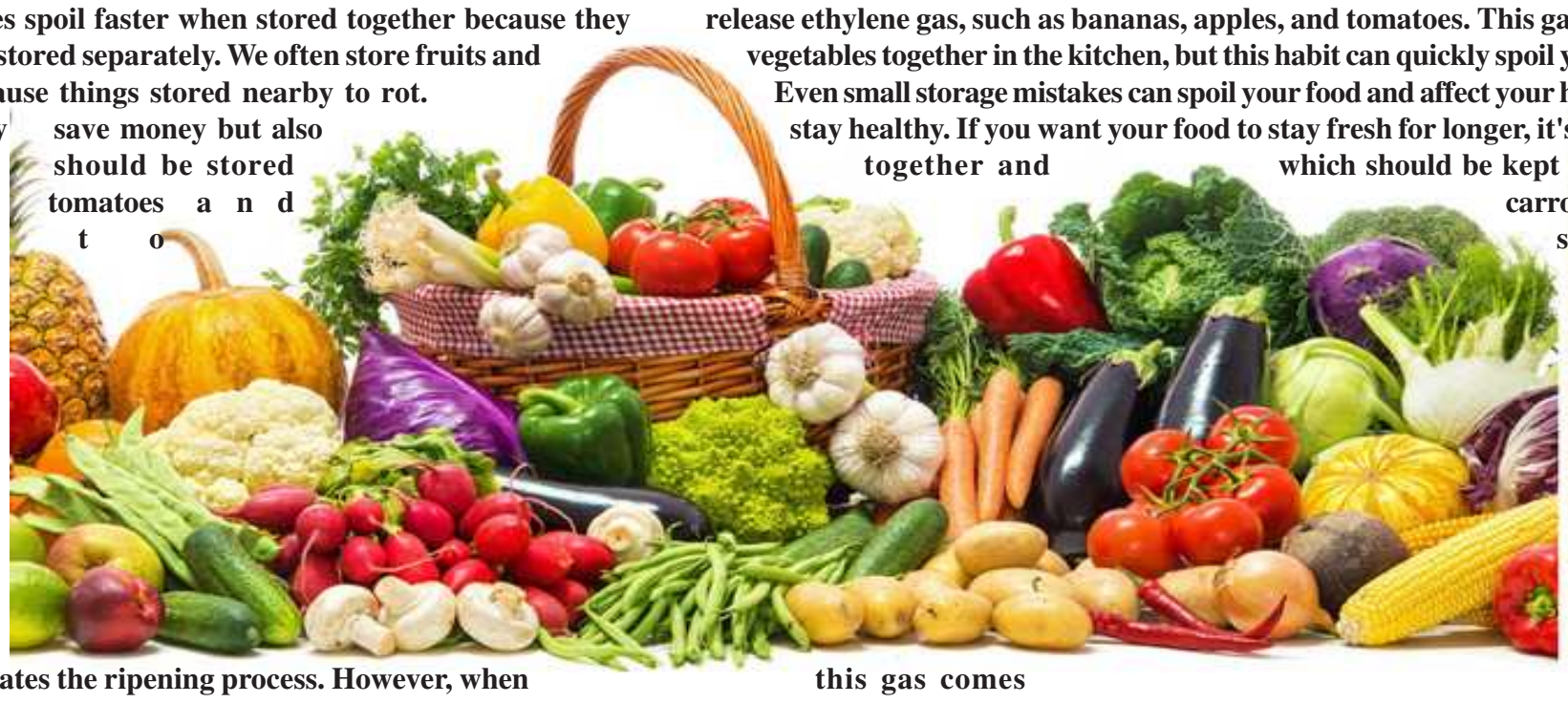

How AI is changing life: From mobile phones to homes

Artificial Intelligence (AI) is a technology that enables machines to think and make decisions like humans. Today, AI is being used in many areas such as smartphones, online shopping, healthcare, transportation, and education, making everyday life easier and smarter than ever before. With the rapid development of technology, artificial intelligence (AI) is no longer limited to scientific laboratories. Today, it has become an important part of our everyday lives. From smartphones to online shopping, healthcare, and transportation, the use of AI is rapidly increasing. With its help, many tasks have become easier and faster than before. Today, AI is making our everyday lives easier and smarter. In the coming years, this technology could further transform our lifestyles. What is AI? - AI, or artificial intelligence, is a technology that enables machines to think, learn, and make decisions like humans. AI systems analyze data and deliver better results. Key uses of AI in everyday life: AI in smartphones: Almost every smartphone today uses AI technology. Face unlock, camera auto-adjustment, and voice assistants—all of these features are powered by AI. Online shopping: When you view a product on an e-commerce website, you're shown other similar products. This is possible thanks to AI, which understands your preferences and makes suggestions. Navigation and traffic: Map and navigation apps use AI to analyze traffic conditions and provide the fastest route. AI in healthcare: AI is also rapidly being used in the healthcare sector. Early disease detection, medical data analysis, and smart health monitoring—AI is playing a key role in all of these areas. AI in education: Many online education platforms are providing personalized learning to students with the help of AI. This helps students tailor their studies to their needs. Smart home devices: Smart speakers, smart lights, and other devices operate with the help of AI. These devices make many household tasks easier through voice commands. Benefits of AI AI technology has many important benefits. For example, it increases the speed of work. It helps in taking accurate decisions. It saves time and effort and creates new technological possibilities. Will AI become more important in the future? According to experts, the use of AI will increase rapidly in the coming times. In the future, the role of AI can become even bigger in areas like transport, education, health and industry.

Shah Rukh Khan also admired Mohit Suri's decision; King Khan said this in praise of the director of 'Saiyaraa'

Last year's film 'Saiyaraa' was a blockbuster at the box office. Directed by Mohit Suri, 'Saiyaraa' was a major box office blockbuster. Shah Rukh Khan also admired one of the director's decisions. Ahaan Pandey made his debut with 'Saiyaraa', starring Aneeth Padda opposite him. The film's songs were well-received. This romantic film also proved to be a blockbuster at the box office. The film also brought immense popularity to Ahaan and Aneeth. However, even after the film's release, the makers decided to keep both stars away from the limelight. This strategy proved successful. Shah Rukh Khan also praised it. Why did Ahaan and Aneeth stay away from promotions? Even after the release of 'Saiyaraa', the makers decided to keep Ahaan Pandey and Aneeth Padda away from the limelight. This strategy proved highly successful, as audiences' anticipation of Ahaan and Anita drew more people to theaters. The makers focused heavily on promoting the film's story and music. Director Mohit Suri recently revealed that Shah Rukh Khan praised his team's unique promotional approach. Shah Rukh praised them at Siddharth Anand's party. In an interview with Variety India, Mohit Suri explained that the new cast participated in some activities, but avoided the usual routine of interviews and marketing campaigns. He explained, "They were doing their work, but stayed away from regular interviews, marketing, and other things. This wasn't a PR stunt." Mohit further added, "When Shah Rukh Khan met me at Siddharth Anand's party, he said it was the best thing we Diwali party, he said it was the best thing we had ever done." Mohit added, "We didn't have big stars." The director added, "Since we didn't have big stars, we focused on creating great music. We spent more time promoting the music." We didn't promote it through interviews or sending actors out, as people usually do. We really benefited from that. It all felt very real and authentic."

Pawan Singh's power showcased in a South Indian film; Bhojpuri actor featured in a song from Adivi Sesh's "Dakait"

Power star Pawan Singh of the Bhojpuri industry is also renowned for his singing. After Bollywood films, his voice will now work its magic in a South Indian film. His song from the film "Dakait" was launched today. Popular Bhojpuri cinema actor Pawan Singh's melodious voice has worked wonders not only in Bhojpuri but also in Bollywood. Now, this influence is expanding, and his voice is poised to resonate in the South. In fact, he sang in the film "Dakait," starring Adivi Sesh and Mrinal Thakur. His song "Touch Buddy" from the film was launched today in Gorakhpur. Song launched at a grand event in Gorakhpur - Power star Pawan Singh arrived in Gorakhpur today to launch the song "Touch Buddy" from "Dakait." A grand event was held at Gorakhpur's Mahant Digvijay Nath Park at 7 p.m., where the song "Touch Buddy" was launched. Along with Pawan Singh, the Queen of the Charts, Jonita Gandhi, has also lent her beautiful voice to this song. Pawan Singh seen speaking Bhojpuri in a South Indian look - The song "Touch Buddy" from the film "Dakait" was filmed on Adivi Sesh and Jonita Gandhi. Adivi adds to the charm with his dance moves. However, this song also features Pawan Singh, making it a special treat for his fans. Pawan Singh is seen in traditional South Indian attire in the song, but he is also seen speaking Bhojpuri. When will "Dakait" be released? - This song blends Hindi, South Indian, and Punjabi. Fans of the Power Star are overjoyed to see Pawan Singh in the song. Talking about the film "Dakait," it will be released next month, i.e., in April. The film is now scheduled to hit theaters on April 10, 2026. Adivi Sesh and Mrunal Thakur play the lead roles in the film. Filmmaker Anurag Kashyap will also be in a pivotal role.

Where did SP Aslam Chaudhary of "Dhurandhar" go with his real-life family? Spotted in a Pathani suit; video goes viral

Sanjay Dutt played the role of SP Chaudhary Aslam in the films "Dhurandhar" and "Dhurandhar: The Revenge." A video of the actor has recently surfaced, showing him with his family.

Actor Sanjay Dutt is currently in the news for the film "Dhurandhar: The Revenge." Directed by Aditya Dhar, he has perfectly portrayed the role of SP Chaudhary Aslam in both parts. His performance has been widely praised. Amidst the film's strong performance, Sanjay Dutt was recently seen with his family. A video of Sanjay Dutt with his family has surfaced on social media, showing him with his wife, Maanayata Dutt, and their two children, Iqra and Shahraan. During the scene, he was surrounded by paparazzi. Sanjay Dutt posed for the paps with his family. Manyata looked stylish - In the video, Sanjay Dutt is seen wearing a Pathani suit. His wife Manyata is seen in a shining green western dress. However, it is not clear whether Sanju Baba is attending an event with his family or just outing. Seeing Sanjay Dutt with his family, netizens are writing, "Choudhary Aslam with his real-life family." Box Office of Dhurandhar 2 The film "Dhurandhar 2" is performing brilliantly at the box office. Today, Saturday, on the tenth day, the film earned ?51.84 crore. Its total box office collection has now reached ?767.76 crore. It is expected to enter the ?800 crore club soon. The film is earning rapidly in India and abroad. According to data available on SacNilk, its worldwide collection has reached ?1151.22 crore.